संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 245
पृष्ठ 8
सोमवार
25 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जब मन मांगे कुछ मीठा...

विचार- आर्थिक संयम की अपीलः राष्ट्रवाद...

खेल- पाक टीम पर भड़के कोच सरफराज

बिजली संकटः गांव हो या नगर, भीषण गर्मी में हो निर्बाध बिजली आपूर्ति

बेहतर और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता-मुख्यमंत्री

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में बिजली कटौती को लेकर मचे हाहाकार के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में ऊर्जा विभाग पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे। मुख्यमंत्री रविवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने राज्य की

विद्युत उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने तथा गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए और सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है। इसमें अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे तापीय विद्युत गृहों की 9,120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि जल विद्युत परियोजनाओं से 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 3,742 मेगावाट क्षमता राज्य को प्राप्त हो रही है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं भरोसेमंद बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा को न्यूनतम रखा जाए तथा ट्रांसमिशन नेटवर्क की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के पास वर्तमान में 60,858 सर्किट किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइनें संचालित हैं। प्रदेश में 715 उपकेंद्रों के माध्यम से 2,05,632 एमवीए क्षमता उपलब्ध है। ट्रांसमिशन नेटवर्क की उपलब्धता 99.30 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि पारेषण हानियां घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली वितरण व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह और उपभोक्ता केंद्रित बनाया जाए। उन्होंने फीडर वाइज जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए कहा कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने, फीडर बाधित होने अथवा शिकायत निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आंधी-तूफान और अत्यधिक तापमान जैसी परिस्थितियों के बावजूद फील्ड स्तर पर त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम सक्रिय रखा जाए। बैठक में बताया गया कि 4, 7 और 15 मई को आए आंधी-तूफान के कारण प्रदेश में 38 सब-स्टेशन और 326 फीडर प्रभावित हुए, लेकिन मरम्मत एवं बहाली कार्य तेजी से कराया गया। मुख्यमंत्री ने भूमिगत केबल वाले स्थलों पर खुदाई से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से विधिवत स्वीकृति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए ताकि विद्युत व्यवस्था बाधित न हो।

उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी के लिए दोबारा आवेदन की जरूरत नहीं

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने रविवार को घोषणा की है कि कक्षा 12वीं के परिणाम के बाद री-इवैल्यूएशन प्रक्रिया में तकनीकी दिक्कतों के कारण जिन छात्रों से अधिक शुल्क कट गया था, उन्हें बोर्ड पूरी राशि वापस (रिफंड) करेगा। यह कदम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा छात्रों को आ रही दिक्कतों पर सीबीएसई से विस्तृत रिपोर्ट मांगने के एक दिन बाद उठाया गया है। शिक्षा मंत्री ने सर्वर डाउन होने और पेमेंट गेटवे की खामियों को बेहद गंभीरता से लिया था। सीबीएसई द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, 21 और 22 मई को आई तकनीकी गड़बड़ियों के कारण उस समय फीस की कटौती गलत तरीके से हो गई थी, जब छात्र अपनी जांची गई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी के लिए आवेदन कर रहे थे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कुछ मामलों में तय फीस से ज्यादा पैसे कट गए, तो कुछ में कम रकम कटी। जिन छात्रों के खातों से अधिक राशि कटी है, उसे बिना किसी अतिरिक्त प्रक्रिया के उसी भुगतान माध्यम में वापस भेज दिया जाएगा, जिससे फीस

भरी गई थी। बोर्ड ने साफ किया है कि जिन मामलों में तकनीकी त्रुटि के कारण कम शुल्क कटा है, उन छात्रों को बची हुई राशि का भुगतान करने के लिए अलग से सूचित किया जाएगा। हालांकि, फीस की इस गड़बड़ी के कारण किसी भी छात्र का आवेदन निरस्त नहीं होगा। प्रभावित छात्रों को उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी तय समय पर उपलब्ध करा दी जाएगी और उन्हें इसके लिए दोबारा नया आवेदन करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सीबीएसई के अनुसार, पोर्टल पर अचानक ट्रैफिक बढ़ने के कारण यह अस्थाई दिक्कत आई थी, जिसे अब पूरी तरह दुरुस्त कर लिया गया है। बोर्ड ने अभिभावकों और छात्रों से परेशान न होने की अपील करते हुए कहा है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों की चिंताओं का पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता से समाधान करना है।

22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर: राहुल बोले-

प्रधान के इस्तीफे तक नहीं रुकेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को लेकर सियासत

तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस तब तक शांत नहीं बैठेगी, जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जाता। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैदराबाद में छात्रों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। प्रदर्शनकारी छात्र नीट पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ भी नारे लगाए गए। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा कि जब लाखों युवा सड़कों पर हों, 22 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हो और प्रधानमंत्री चुप रहें, तो यह साफ दिखाता है कि सरकार जवाब देने के बजाय बचने में लगी है। उन्होंने कहा ष्जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते और नीट जैसे पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत और फुलप्रूफ व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा।ष गौरतलब है कि कांग्रेस लगातार नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने में विफल रही है।

वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के एनडीए सरकार गिरने वाले बयान को लेकर पलटवार किया। नागपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी की बातें सिर्फ श्मुंगेरीलाल के हसीन सपनेश जैसी हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह दावा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी, पूरी तरह कल्पना और दिवास्वप्न है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने कसी घेराबंदी

जम्मू,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में संदिग्ध आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षा बलों ने रविवार को अपना अभियान तेज कर दिया। अतिरिक्त जवानों की तैनाती के साथ घेराबंदी और मजबूत की। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर शनिवार को चलाए गए अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच संक्षिप्त मुठभेड़ हुई थी, जिसके बाद डोरीमल-गंभीर मोगला क्षेत्र में अभियान का दायरा बढ़ाया गया। डोरीमल-गंभीर मोगला इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। घेराबंदी मजबूत की गई है। संदिग्ध आतंकवादियों की तलाश में मदद के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा गया है। विशिष्ट सूचना मिलने के बाद शनिवार को सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीम ने इलाके में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। संदिग्ध आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच थोड़ी देर गोलीबारी भी हुई।

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह बोले-

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जरूरी, स्वदेशी तकनीक से मजबूत होगा भारत

बंगलूरू,एजेंसी। बंगलूरू में आयोजित 48वें फ्लाइट टेस्ट कोर्स ग्रेजुएशन समारोह में भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को देश की रणनीतिक आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि मजबूत और टिकाऊ स्वदेशी रक्षा क्षमताएं विकसित करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। शनिवार को आयोजित इस समारोह में एयर फोर्स टेस्ट पायलट्स स्कूल के 11 टेस्ट पायलट और छह फ्लाइट टेस्ट इंजीनियरों ने 48 सप्ताह का कठिन और बहु-विषयक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके बाद सभी अधिकारियों को ग्रेजुएशन प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस बैच में कुल 17 अधिकारी शामिल थे। इनमें भारतीय वायुसेना के 14

अधिकारी, भारतीय सेना का एक अधिकारी और भारतीय नौसेना के दो अधिकारी शामिल रहे। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ये अधिकारी एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट के एविएशन विंग में अपनी सेवाएं देंगे, जो भारतीय वायुसेना की प्रमुख इकाइयों में से एक मानी जाती है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारतश केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने टेस्ट क्रू की जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें देश में स्वदेशीकरण अभियान को आगे बढ़ाने और एयरोस्पेस इकोसिस्टम को मजबूत करने में अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने रक्षा उपकरणों की डिजाइन से लेकर डिलीवरी तक की प्रक्रिया को तेज करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि गुणवत्ता और सुरक्षा के उच्चतम मानकों से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि रक्षा प्रणालियों और विमानों को सेवाओं की परिचालन जरूरतों के अनुरूप बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए पेशेवर दक्षता, ईमानदारी, सटीकता और उत्कृष्टता जैसे मूल्यों को अपनाना जरूरी है। उन्होंने पास आउट अधिकारियों से कहा कि वे भविष्य में भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण में अहम योगदान देंगे। इसलिए उन्हें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करना होगा।

मेधावी अधिकारियों को मिले प्रतिष्ठित पुरस्कार

समारोह में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को ट्रॉफियां और सम्मान प्रदान किए।

सुरंजन दास ट्रॉफी स्वाड्रन लीडर केके सिंह को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड स्टूडेंट टेस्ट पायलट के रूप में दी गई।

जयशंकर का अमेरिका को दो टूक

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस, वैध यात्रियों के वीजा में न हो देरी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मिडिल ईस्ट के देशों के साथ भारत के रिश्तों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, भारत दुनिया के उन बहुत कम देशों में से एक है जिसके अमेरिका, इजरायल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ एक साथ बहुत अच्छे और मजबूत संबंध हैं। इसलिए, उस इलाके में हमारा सीधा हित जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने चुनौती यह है कि इन सभी रिश्तों को एक साथ कैसे बनाए रखा जाए और अपने हितों की रक्षा कैसे की जाए। भारत इसे किसी ऐसे खेल की तरह नहीं

देखता जिसमें एक का फायदा कराने के लिए दूसरे का नुकसान करना पड़े। विदेश मंत्री ने अपने बयान में उन मुख्य बातों का जिक्र किया जिनके आधार पर भारत इस क्षेत्र में अपना नजरिया तय करता है। विदेश मंत्री ने बताया, भारत इस पूरे इलाके में हमेशा शांति और स्थिरता देखना चाहता है। खाड़ी देशों में रहने वाले लाखों भारतीय नागरिकों की भलाई और सुरक्षा भारत के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, भारत अपनी जरूरत का तेल और गैस बहुत बड़ी मात्रा में इसी इलाके से खरीदता है, इसलिए भारत चाहता है कि ऊर्जा की कीमतें कम और नियंत्रण में रहें। भारत इस इलाके से होने वाले समुद्री व्यापार को पूरी तरह सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के चलते हुए देखना चाहता है। भारत चाहता है कि वहाँ के बाजार सबके लिए खुलें और व्यापार पर कोई पाबंदी न हो। डॉ. जयशंकर ने यूक्रेन संकट का उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया में जहाँ भी ऐसी मुश्किल स्थिति होगी, वहां भारत एक अहम भूमिका निभाएगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि आज के भारत के हित लगातार बढ़ रहे हैं और विवाद में शामिल सभी पक्षों के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। रूस, यूरोप, यूक्रेन और अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते मजबूत हैं।

शबरिमला सोना चोरी मामले में सख्त केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल के देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन ने रविवार को कहा कि शबरिमला सोना चोरी मामले में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, बख्शा नहीं जाएगा।

मुरलीधरन ने कहा कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, ईश्वर से चोरी करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वे चाहे कोई भी हों और चाहे किसी भी दल से संबंधित हों, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

नोएडा इकाई की वरिष्ठ साहित्यकार अर्चना कोहली अर्चि के निधन पर शोक सभा आयोजित

प्रयागराज। नोएडा इकाई की वरिष्ठ साहित्यकार अर्चना कोहली अर्चि के निधन पर शहर समता विचार मंच की तरफ से आनलाइन एक शोक सभा रचना सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। शोक सभा में शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा शकि

अर्चना कोहली एक बेहतरीन रचनाकार थी जो काफी दिनों से कैंसर सें पीड़ित थी। आज उनका जाना एक दुखद समाचार है। भगवान उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में यह दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे एवं दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देश। डॉ सीमावर्णिका नें कहा कि अर्चना कोहली एक अच्छी रचनाकार थी वह काफी दिनों से अपनी बीमारी से जूझ रहीं थी किन्तु इसके बावजूद वह अपने लेखन के प्रति काफी सजग थी। इस वर्ष उनकी दो पुस्तकों का प्रकाशन भी हुआ था उनका जाना साहित्य के लिए एक बड़ी छति है। ईश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। उमा मिश्रा नें भी उन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक अच्छी रचनाकार थी उनका असमय चले जाना दुखद है ईश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। अंत में रचना सक्सेना ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि श यह एक दुखद समाचार है कि आज अर्चना कोहली हम सभी के बीच नहीं है। वह एक अच्छी रचनाकार थी जिनकी रचना को शहर समता द्वारा महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक में श्रेष्ठ रचना द्वारा पुरस्कृत भी किया गया था। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस अवसर पर उपस्थित शहर समता की अन्य इकाईयों की जिलाध्यक्षो नें भी अपनी अपनी संवेदना व्यक्त की।

बिजली का तार जोड़ते समय खंभे से गिरे प्राइवेट लाइनमैन की मौत, ग्रामीणों ने शव रखकर किया चक्काजाम

प्रयागराज। बिजली के खंभे पर चढ़कर तार जोड़ते समय गिरकर घायल हुए प्राइवेट लाइनमैन की रविवार को उपचार के दौरान पीजीआई लखनऊ में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बिजली के खंभे पर चढ़कर तार जोड़ते समय गिरकर घायल हुए प्राइवेट लाइनमैन की रविवार को उपचार के दौरान पीजीआई लखनऊ में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन और ग्रामीणों ने शव को मियां का पुरा चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया है। मौके

पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

फूलपुर थाना क्षेत्र के गोसाईंपुर गांव निवासी शिव पूजन गौड़ (45) प्राइवेट लाइनमैन का कार्य करता था। वह 17 मई को छतौना गांव में बिजली के पोल पर चढ़कर तार जोड़ रहा था। इसी दौरान पोल टूटने से वह नीचे गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे पीजीआई लखनऊ में भर्ती कराया गया था। 24 मई को उपचार के दौरान उसकी सांसें थम गईं।

मौत की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। पीजीआई से शव लाकर परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मियांकापुरा चौराहे पर रख दिय। इससे सड़क पर आवागमन ठप हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई। परिजन मुआवजे की मांग पर अड़े हैं। जानकारी पाकर एसीपी हंडिया मौके पर पहुंचे। वह बिजली विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं।

बच्चा यादव गैंग के सरगना समेत चार आरोपी गिरफ्तार, सात गाड़ियां बरामद

प्रयागराज। अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के खिलाफ गिरोह बंद अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने बच्चा यादव गैंग के सरगना व उसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के खिलाफ गिरोह बंद अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने बच्चा यादव गैंग के सरगना व उसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग–अलग राज्यों की सात लग्जरी गाड़ियों को भी बरामद किया है। नवाबगंज थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज अवस्थी ने बताया कि क्षेत्र में वांछित अभियुक्तों की तलाश के दौरान सूचना मिली कि बनई का पूरा थाना नवाबगंज निवासी कृष्ण कुमार उर्फ बच्चा यादव आपराधिक गिरोह का संचालन कर रहा है।

गैंग में अभि पासी उर्फ बच्चा पासी, शनि कुमार सरोज उर्फ रितिक निवासी प्रतापगढ़ और उमेश चंद्र गुप्ता उर्फ बिल्लू शामिल हैं। यह गिरोह पैसों का लालच देकर नाबालिग बच्चों से वाहन चोरी करवाता था। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर गैंग के चारों बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की तीन बोलेरो, 2 स्कॉर्पियो, एक ऑटो, एक बाइक बरामद की हैं। जांच में पता चला कि बरामद गाड़ियों में से एक स्कॉर्पियो मध्य प्रदेश के सतना से चुराई गई थी। बोलेरो हंडिया, फाफामऊ और कर्नलगंज थाना क्षेत्रों से चोरी की गई थीं। गिरोह वाहनों के इंजन व चेचिस नंबर बदलकर उन्हें डीजे संचालकों को बेच देता था। मामले में नवाबगंज पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है।

पीडीए ने आवंटी को ब्याज सहित लौटाए 73.65 लाख रुपये, नहीं मिल सका था प्लाट पर कब्जा

प्रयागराज। ममप्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की विभिन्न योजनाओं में प्लॉट आवंटन के बावजूद वर्षों से कब्जे के लिए भटक रहे आवंटियों को बड़ी राहत मिली है। पीडीए ने ऐसे आवंटियों को उनकी ओर से जमा की गई धनराशि लौटानी शुरू कर दी है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की विभिन्न योजनाओं में प्लॉट आवंटन के बावजूद वर्षों से कब्जे के लिए भटक रहे आवंटियों को बड़ी राहत मिली है। पीडीए ने ऐसे आवंटियों को उनकी ओर से जमा की गई धनराशि लौटानी शुरू कर दी है। शनिवार को पीडीए ने शांतिपुरम आवास योजना में कुछ कारणों से विवादित भूखड के आवंटी को ब्याज सहित 73 लाख 65 हजार 218 रुपये लौटाए। इसमें आवंटी की ओर से जमा धनराशि 62,79,264 रुपये और ब्याज की धनराशि 10,85,954 रुपये शामिल हैं। पीडीए ने ऐसे सभी आवंटियों को अपनी धनराशि वापस लेने के लिए आमंत्रित किया है। जिन्हें किसी कारण से आवंटित प्लॉट पर कब्जा नहीं मिल सका।

पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषि राज का कहना है कि ऐसे आवंटी जो कई वर्षों से भटक रहे हैं। इनके लिए प्रकरण निस्तारण का अवसर प्रदान किया गया है। जो धनराशि वापस नहीं लेना चाहते उन्हें प्राधिकरण की योजनाओं में प्रतिभाग करने पर वरीयता दी जाएगी। अखबार ने 26 सितंबर 2026 के अंक में इस बाबत खबर प्रकाशित की थी। पीडीए की विभिन्न योजनाओं में सैकड़ों लोग भूमि विवाद के कारण आवंटन होने के बावजूद कब्जा प्राप्त नहीं कर पाएं हैं। इनमें कई मामले 20 वर्ष तक पुराने हैं। पूर्व में लोगों ने ब्याज सहित धनराशि वापसी के लिए पीडीए में आवेदन भी दिए लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब पीडीए ने ऐसे सभी आवंटियों के लिए राहत के रास्ते खोल दिए हैं।

संगम तट पर लेटे हनुमान जी मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से कराए जा रहे कार्यों का शनिवार को पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने निरीक्षण किया।

प्रगति संतोषजनक न मिलने पर उपाध्यक्ष ने नाराजगी जताई। उन्होंने अभियंताओं को निर्देश दिया कि बाकी कार्य दिन–रात दोनों शिफ्ट में कराकर शीघ्रता से पूरा कराए जाएं। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद पार्क का भी निरीक्षण किया और गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पूरे पार्क की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अवैध निर्माण के खिलाफ जारी अभियान के तहत प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने शनिवार को बदरा सोनौटी झूंसी में 27 बीघा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त करा दी। जोन–पांच के तहत हुई इस कार्रवाई के दौरान संजय यादव व अन्य की ओर से 10 बीघा, सुभाष प्रजापति की ओर से 12 बीघा और डॉ. राजेश यादव व अन्य की ओर से पांच बीघा जमीन पर की गई अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त की गई।

सूबे में बढ़ रहा बाल विवाह, रोकने में पुलिस–प्रशासन नाकाम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सूबे में बाल विवाह के बढ़ते मामलों पर गहरी नाराजगी जताई है। इसके लिए सीधे तौर पर पुलिस–प्रशासन को विफल बताया है। कोर्ट ने कहा कि सूबे में बाल विवाह जैसी कुप्रथाएं दिन–ब–दिन बढ़ रही हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सूबे में बाल विवाह के बढ़ते मामलों पर गहरी नाराजगी जताई है। इसके लिए सीधे तौर पर पुलिस–प्रशासन को विफल बताया है। कोर्ट ने कहा कि सूबे में बाल विवाह जैसी कुप्रथाएं दिन–ब–दिन बढ़ रही हैं। क्योंकि, इसे रोकने के लिए पुलिस की ओर से कोई सक्रियता नहीं दिख रही है।

इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति अजय कुमार द्वितीय की खंडपीठ ने देवरिया के महुआडीहा थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय पीड़िता के अपहरण और जबरन शादी करने के आरोप को लेकर दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। साथ ही जांच अधिकारी को मामले की जांच बाल विवाह निषेध अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत निष्पक्ष रूप से करने के आदेश दिए हैं।

मौजूदा मामले में याचियों ने दलील दी कि निकाह मुस्लिम रीति–रिवाज और लड़की की मर्जी से हुआ है। हालांकि, कोर्ट ने आरोपों को बेहद गंभीर मानते हुए याचिका खारिज कर दी। कहा कि रीति–रिवाज की आड़ में किसी को कानून के उल्लंघन का अनुमति नहीं दी जा सकती।

डीपीपी को सख्त दिशानिर्देश जारी करने का आदेश

कोर्ट ने बाल विवाह के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए डीजीपी को विस्तृत दिशानिर्देश जारी करने का आदेश दिया है। कहा है कि सभी पुलिस कमिश्नर, एसएसपी और एसपी को सख्त निर्देश दिया जाए कि जैसे ही पुलिस को किसी भी स्रोत (शिकायत, जांच या स्वतः संज्ञान) से बाल विवाह की जानकारी मिले, बिना किसी देरी के अधिनियम की धारा–10 और 11 के तहत शामिल सभी लोगों के खिलाफ संज्ञेय अपराध का मामला दर्ज किया जाए।

पुलिस की ढुलमुल कार्यशैली से कोर्ट हैरान

कोर्ट ने इस बात पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया कि आज तक पुलिस की ओर से स्वतः संज्ञान लेकर इस कानून के तहत कार्रवाई करने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। कानूनी रूप से स्पष्ट प्रावधान है कि जब भी पुलिस को शिकायत, जांच या किसी अन्य माध्यम से बाल विवाह की जानकारी मिले तो अधिनियम की धारा–10 और 11 के तहत विवाह कराने वाले और इसे बढ़ावा देने वाले सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ बिना किसी देरी के कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए।

आधार कार्ड उम्र का वैध प्रमाण नहीं

कोर्ट ने उन सामाजिक और धार्मिक संगठनों की कार्यप्रणाली पर भी तीखी टिप्पणी की, जो इस तरह के अवैध विवाहों को सुगम बनाते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कई संगठन शादी के लिए बच्चियों के आधार कार्ड या हलफनामे को आधार बना लेते हैं, जबकि आधार कार्ड में दर्ज जन्मतिथि उम्र का वैध कानूनी प्रमाण नहीं है।

पांच साल में बदल जाएगी शहर की सूरत, कई परियोजनाओं पर शुरू होगा काम

प्रयागराज। आने वाले पांच वर्षों में प्रयागराज की सूरत बदलने वाली है। कुंभ नगरी में एक साथ कई परियोजनाओं पर काम शुरू होने जा रहा है। इसमें नई टाउनशिप एयरोसिटी, विंध्य एक्सप्रेसवे और मेट्रो जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

आने वाले पांच वर्षों में प्रयागराज की सूरत बदलने वाली है। कुंभ नगरी में एक साथ कई परियोजनाओं पर काम शुरू होने जा रहा है। इसमें नई टाउनशिप एयरोसिटी, विंध्य एक्सप्रेसवे और मेट्रो जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। जिले में इनर रिंग रोड के पहले चरण का काम तकरीबन 60 फीसदी पूरा हो चुका है। वहीं, प्रयागराज से सोनभद्र तक प्रस्तावित विंध्य एक्सप्रेसवे के लिए सर्वे शुरू हो गया है। प्रस्तावित 330 किमी लंबे विंध्य एक्सप्रेसवे पर प्रयागराज के 84 गांव स्थित हैं जिनकी जमीन अधिग्रहीत की जानी है। अधिग्रहण से पहले ड्रोन से सर्वे शुरू करा दिया गया है।

यह एक्सप्रेसवे सोरांव, फूलपुर, हंडिया तहसील के रास्ते होते हुए मिर्जापुर और सोनभद्र तक जाएगा। तहसील सोरांव के 29, फूलपुर के 24 और तहसील हंडिया के 31 गांव हैं। जिला प्रशासन की ओर से इन गांवों की सूची तैयार की जा चुकी है। खास यह कि विंध्य एक्सप्रेसवे प्रदेश को चार राज्यों की सीमा से जोड़ेगा और यह गंगा एक्सप्रेसवे से लिंक होगा।

इसके साथ ही गंगा व यमुना पर कई पुल भी प्रस्तावित हैं। इनर रिंग रोड को करछना–फूलपुर से जोड़ने वाले छह लेन पुल का काम शुरू हो चुका है। वहीं, फाफामऊ में गंगा पर छह लेन पुल का काम अंतिम चरण में है। इसके अलावा गंगा पार सलोरी–हेतापट्टी के बीच और शास्त्री पुल के समानांतर एक–एक पुल प्रस्तावित है। साथ ही यमुना पर भी एक अन्य पुल प्रस्तावित है।

दूसरी ओर, प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने प्रयागराज में ग्रुप हाउसिंग निर्माण के लिए ई–नीलामी के माध्यम से दूसरे राज्यों के बिल्डरों को भी आमंत्रित किया है। अब तक यूपी, मध्य प्रदेश, बिहार व अन्य राज्यों से 40 आवेदन आ चुके हैं। वहीं, पीडीए ने एयरपोर्ट के पास नई टाउनशिप 'एयरोसिटी' बसाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेज दिया है जिसे जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी मिल सकती है।

रोपवे के लिए चल रहा काम

संगम पार रोपवे के लिए भी काम चल रहा है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने यह जिम्मेदारी जिस एजेंसी को सौंपी है, उसने प्रयागराज में अपना कार्यालय भी खोल दिया है। यह रोपवे परेड से अरैल तक बनाने की योजना है और खास यह कि प्रयागराज में प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना के तहत परेड मैदान ही इंटरचेंज जंक्शन प्रस्तावित है।

एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन व बस अड्डों को जोड़ेगी मेट्रो

मेट्रो रेल परियोजना के तहत ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर (बमरौली एयरपोर्ट से त्रिवेणीपुरम झूंसी में सिटी लेक फॉरेस्ट तक) और नॉर्थ–साउथ कॉरिडोर (शांतिपुरम कॉलोनी फाफामऊ से अलोपीबाग होते हुए नैनी तक) बनाए जाएंगे। परेड मैदान से चारों दिशाओं में झूंसी, फाफामऊ, बमरौली व नैनी के लिए मेट्रो की सुविधा उपलब्ध रहेगी। वहीं, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों व बस अड्डों को भी मेट्रो आपस में जोड़ेगी।

सितंबर तक शुरू होगा नया चिल्ड्रेन अस्पताल, डीएम ने किया निर्माणाधीन परिसर का निरीक्षण

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन चिल्ड्रेन अस्पताल सितंबर तक शुरू हो जाएगा। ऐसे में लोगों को बच्चों के इलाज के लिए दौड़–भाग नहीं करनी होगी।

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन चिल्ड्रेन अस्पताल सितंबर तक शुरू हो जाएगा। ऐसे में लोगों को बच्चों के इलाज के लिए दौड़–भाग नहीं करनी होगी। डीएम मनीष कुमार वर्मा व मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने शनिवार को निर्माणाधीन कार्यों को परखा। डीएम ने कार्य की धीमी प्रगति पर कार्यदायी संस्था यूपीसीडको पर नाराजगी व्यक्त की।

डीएम ने यूपीपीसीएल के अफसरों को गैस पाइपलाइन, ऑक्सीजन पाइपलाइन एवं बेड हेड पैनल का कार्य प्रत्येक हाल में जून तक पूरा कर हस्तांतरित कराने के लिए कहा। उन्होंने प्राचार्य व मुख्य अधीक्षक से चिल्ड्रेन अस्पताल में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराते हुए सितंबर तक अस्पताल को क्रियाशील करने के निर्देश दिए।

नए अस्पताल के शुरू होने के बाद चर्च लेन स्थित चिल्ड्रेन अस्पताल बंद कर दिया जाएगा। इसके अलावा डीएम ने गायनोलॉजी विभाग के विस्तारीकरण के कार्य और मानसिक रोग विभाग के निर्माण कार्य भी निरीक्षण किया।

डीएम ने कार्डियोलॉजी विभाग के विस्तार के कार्य का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम के अफसरों ने बताया कि 70 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। बाकी काम अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। कार्य की धीमी प्रगति पर ठेकेदार पर चार प्रतिशत की एलडी आरोपित की गई है। डीएम ने प्रथम तल व सीढ़ियों पर रखे अनुपयोगी सामानों की नीलामी कराकर भवन को खाली कराने के निर्देश दिए।

डीएम ने क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि 30.18 करोड़ की भवन का निर्माण कराया जा है और 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। शेष कार्य को अक्तूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। डीएम ने क्रिटिकल केयर यूनिट के सामने मल्टीलेवल पार्किंग का प्रस्ताव बनवाने और निर्माण के लिए उच्च न्यायालय की अनुमति प्राप्त करने के लिए कहा।

डीएम ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य व कार्यदायी संस्थाओं को पूरे चिकित्सालय परिसर का विस्तृत लेआउट बनाने के लिए कहा। चिकित्सालय परिसर के विस्तार के लिए डीपीआर बनाने के निर्देश दिए। ट्रामा सेंटर को दूसरे उचित स्थान पर स्थानांतरित किए जाने के लिए प्रस्ताव बनाने और उसे उच्च न्यायालय के संज्ञान में लाते हुए ट्रामा सेंटर निर्माण के लिए अनुमति प्राप्त करने के लिए कार्रवाई के लिए कहा। साथ ही ट्रामा सेंटर व हॉस्टल के निर्माण के लिए चिह्नित भूमि का उपजिलाधिकारी सदर के माध्यम से तत्काल मूल्यांकन कराए जाने के निर्देश दिए।

मरीजों के प्रति संवेदनशील और विनम्र बनें रू डीएम

डीएम ने प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय से कॉलेज व चिकित्सालय में कड़ा अनुशासन बनाए रखने और उसकी लगातार मॉनिटरिंग करने के लिए कहा। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं तीमारदारों के लिए सभी व्यवस्थाएं करने के साथ उनसे अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सक व अन्य स्टॉफ का व्यवहार मरीजों के प्रति संवेदनशील व विनम्र हो।

आरआरबी सीबीटी–2 परीक्षा की तिथि घोषित, आधार अनिवार्य, 2569 पदों पर होगी भर्ती

प्रयागराज। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस) और रासायनिक एवं धातुक्रम सहायक (सीएमए) के 2,569 पदों पर भर्ती के लिए द्वितीय चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी–टू) की संभावित तिथि जारी कर दी है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस) और रासायनिक एवं धातुक्रम सहायक (सीएमए) के 2,569 पदों पर भर्ती के लिए द्वितीय चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी–टू) की संभावित तिथि जारी कर दी है। आधिकारिक सूचना के मुताबिक यह परीक्षा दो जुलाई 2026 को होगी। अभ्यर्थी परीक्षा से 10 दिन पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपने परीक्षा शहर और तिथि की जानकारी देख सकेंगे, जबकि ई–काल लेटर परीक्षा से चार दिन पहले डाउनलोड किए जा सकेंगे। लेवल–छह की इस तकनीकी भर्ती परीक्षा के लिए रेलवे ने अभ्यर्थियों के बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण और मूल आधार कार्ड को अनिवार्य किया है, जिसके बिना परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा।

आदेश का पालन न करने पर गाजीपुर के डीएम को नोटिस, कुर्क दुकानों को रिलीज न करने पर कोर्ट सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के मोहम्मदाबाद में कुर्क की गईं 18 दुकानों को रिलीज करने के आदेश का पालन नहीं होने पर डीएम को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने वर्तमान डीएम को विपक्षी पक्षकार बनाते हुए अगली सुनवाई से पहले जवाब मांगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के मोहम्मदाबाद में कुर्क की गईं 18 दुकानों को रिलीज करने के आदेश का पालन नहीं होने पर डीएम को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने वर्तमान डीएम को विपक्षी पक्षकार बनाते हुए अगली सुनवाई से पहले जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की एकल पीठ ने सांसद अफजाल अंसारी के चचेरे भाई मंसूर अंसारी की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याची का आरोप था कि तत्कालीन डीएम को 20 अप्रैल को अदालत के आदेश के अनुपालन के लिए पत्र भेजा गया था पर अब तक कोई जवाब नहीं मिला।

मोहम्मदाबाद में मंसूर अंसारी की 18 दुकानें 16 दिसंबर 2023 को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की गई थीं। बाद में गाजीपुर के अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) ने दुकानों को रिलीज करने की अर्जी खारिज कर दी थी। डीएम के आदेश को सही ठहराया था। आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट की एकल पीठ ने 12 मार्च 2026 को कुर्क दुकानों को तत्काल रिलीज करने का आदेश दिया था। मंसूर अंसारी की ओर से अवमानना याचिका दाखिल की गई। इसी बीच तत्कालीन गाजीपुर के डीएम का तबादला हो गया, जिसके बाद याची की ओर से वर्तमान डीएम को पक्षकार बनाने की अर्जी दी गई। कोर्ट ने अर्जी मंजूर करते हुए वर्तमान डीएम से अगली सुनवाई तक जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

जनगणना में ड्यूटी के लिए निजी स्कूलों के कर्मचारियों की सूची मांगने पर कोर्ट की रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनगणना कार्य के लिए निजी सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों की सूची मांगने संबंधी गौतमबुद्ध नगर के जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) के आदेश पर रोक लगा दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनगणना कार्य के लिए निजी सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों की सूची मांगने संबंधी गौतमबुद्ध नगर के जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) के आदेश पर रोक लगा दी है। कहा है कि प्रथम दृष्टया ऐसे संस्थानों के कर्मचारियों को जनगणना अधिनियम–1948 के तहत ड्यूटी के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने स्ववित्तपोषित स्कूल एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका पर दिया। एसोसिएशन ने डीआईओएस के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सभी सहायता प्राप्त और वित्तविहीन स्कूलों के प्रधानाचार्यों, प्रबंधन से शिक्षकों व कर्मचारियों की सूची जनगणना में ड्यूटी के लिए मांगी थी। याचिका में कहा गया कि जनगणना अधिनियम–1948 की धारा–4ए के तहत केवल लोक प्राधिकरण को ही जनगणना कार्य के लिए कर्मचारी उपलब्ध कराने का दायित्व सौंपा गया है। निजी शिक्षण संस्थान न तो राज्य सरकार के नियंत्रण में हैं और न ही उनकी इकाई। एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की ओर से बेसिक शिक्षा अधिकारी, डीआईओएस और जिला पंचायत राज अधिकारी से केवल उनके कार्यालयों में उपलब्ध कर्मचारियों की सूची मांगी गई थी। डीआईओएस ने इसके दायरे को बढ़ाते हुए निजी संस्थानों के शिक्षकों और कर्मचारियों की सूची भी मांग ली। राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 के तहत शिक्षकों को दशकीय जनगणना कार्य में लगाया जा सकता है। एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि यह प्रावधान केवल सरकारी संस्थानों के शिक्षकों पर लागू होता है। कोर्ट ने याचियों को अंतरिम राहत देते हुए डीआईओएस के आदेश पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। साथ ही पक्षकारों को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सेवा के अंतिम दौर में नियुक्ति को समाप्त करना न्यायहित में नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सेवा के अंतिम दौर में किसी कर्मचारी की नियुक्ति को समाप्त करना न्यायहित में नहीं होगा। खासकर जब नियुक्ति के समय सभी तथ्य विभाग के संज्ञान में रहे हों और 25 साल तक बिना आपत्ति सेवा ली गई हो। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सेवा के अंतिम दौर में किसी कर्मचारी की नियुक्ति को समाप्त करना न्यायहित में नहीं होगा। खासकर जब नियुक्ति के समय सभी तथ्य विभाग के संज्ञान में रहे हों और 25 साल तक बिना आपत्ति सेवा ली गई हो। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने राज्य सरकार की ओर से दायर विशेष अपील पर की। मंजू कुशवाहा की नियुक्ति 2000 में फर्रुखाबाद के संकिसा में अल्पसंख्यक संस्थान में सहायक अध्यापिका के पद पर नियमित चयन प्रक्रिया के तहत की गई थी। नियुक्ति को जिला विद्यालय निरीक्षक की स्वीकृति भी मिली थी। 15 साल तक उनकी सेवा पर कोई आपत्ति नहीं उठाई गई। आरोप था कि बाद में एक पूर्व विधायक की शिकायत पर यह कहते हुए नियुक्ति रद्द कर दी गई कि उनके पति उसी संस्थान के प्रधानाचार्य थे। नियुक्ति निरस्तीकरण के आदेश को मंजू ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जहां उन्हें एकल पीठ से अंतरिम राहत मिली और वह लगातार सेवा करती रहीं।

लोकरंजन प्रकाशन की तरफ से रायल्टी वितरण समारोह

प्रयागराज। लोकरंजन प्रकाशन की ओर से आज प्रयाग स्टेशन के पास आदित्य नारायण सिंह के आवास पर शाम 4 बजे से रायल्टी वितरण समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस आयोजन की अध्यक्षता डॉ ऊषा मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि डॉ कल्पना वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि सरिता मिश्रा एवं विभा सिंह रहीं। इस आयोजन का शुभारंभ रचना सक्सेना की वाणी वंदना से हुआ। इस आयोजन में प्रेमा राय, विजयलक्ष्मी विभा, डॉ रवि मिश्रा, डॉ प्रदीप चित्रांशी, उमेश श्रीवास्तव, रचना सक्सेना, गीता सिंह, पं० राकेश मालवीय भगवान प्रसाद उपाध्यायन आदि अनेक लोगो को रायल्टी वितरित की गई।

अधिक मास में श्रद्धालुओं की सेवा हेतु शिविर का शुभारंभ

मथुरा। अधिक मास में 84 कोस परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा एवं सुविधा के उद्देश्य से प्रमुख समाजसेवी, भाजपा नेत्री एवं भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यकारिणी की विशेष आमंत्रित सदस्य सविता सिंह सौरौत द्वारा ग्राम अडूकी स्थित परिक्रमा मार्ग पर विशेष सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। परिक्रमा मार्ग से गुजरने वाले हजारों श्रद्धालुओं को इस शिविर के माध्यम से विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर सविता सिंह सौरौत ने बताया कि शिविर में श्रद्धालुओं के लिए स्नान, शौच, नाश्ता, भोजन, चाय–पानी सहित आवश्यक दवाइयों एवं डॉक्टर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यों में लगे श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य की बात है। इसी भावना के साथ परिक्रमा मार्ग के अन्य स्थानों पर भी सेवा शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वह पूर्व से ही समाज सेवा एवं धार्मिक कार्यों में सक्रिय रही हैं तथा महिलाओं के हित, बेटियों के विवाह एवं विभिन्न सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती आ रही हैं। श्रीमती सविता सिंह सौरौत ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे शिविर में पहुंचकर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं और अपनी 84 कोस परिक्रमा को सुगम एवं सफल बनाएं। शिविर के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय लोगों ने सविता सिंह सौरौत का चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मान किया। इस मौके पर भावना, सुनीता, राकेश प्रधान, संजीव पचहरा, राजू, जितेन्द्र पहलवान, हरेन्द्र तोमर, पवन कुमार प्रधान, राधेश्याम गिरी, रामवीर सिंह बिष्ट, राकेश नौटियाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हमारी जनगणना – हमारा विकास: जिलाधिकारी आवास से शुरू हुई जनगणना–2027 की गणना प्रक्रिया

मथुरा। जनगणना–2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य जनपद में तेजी से संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 20 जून 2026 तक चलेगा, जिसके तहत प्रगणक घर–घर जाकर प्रत्येक मकान का विस्तृत विवरण संकलित करेंगे। इसी क्रम में रविवार को जनगणना सहायक रूबी गौड़ एवं सुपरवाइजर अनिल कुमार द्वारा जिलाधिकारी आवास पर जनगणना एवं मकान गणना का कार्य संपन्न कराया गया। इस दौरान जिलाधिकारी आवास को जनगणना मकान संख्या भी प्रदान की गई। जनपद के विभिन्न शासकीय एवं सार्वजनिक स्थलों पर भी मकानों एवं भवनों की गणना तथा क्रमांकन की प्रक्रिया जारी है। जनगणना अभियान के तहत मकानों की नंबरिंग, भवन की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का संकलन किया जा रहा है। साथ ही स्वगणना के अंतर्गत भरे गए आंकड़ों की पुष्टि भी सुपरवाइजरों एवं प्रगणकों द्वारा की जा रही है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसे पूर्ण शुद्धता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी घर गणना से वंचित न रहे और किसी भी मकान का दोहराव न हो। जनपद में जनगणना कार्य की निगरानी के लिए 98 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 9 जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। जिले में 4773 मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं, जबकि कार्य के लिए लगभग 4600 प्रगणक एवं 770 पर्यवेक्षक लगाए गए हैं। जनगणना निदेशालय लखनऊ से श्री मृगेंद्र बहादुर सिंह को जिला प्रभारी एवं श्री अभिषेक पांडे को सह जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे प्रगणकों का सहयोग करें और सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भयहरणनाथ धाम में जमीन को कब्जा मुक्त कराने हेतु 11वां सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह रहा जारी

नायब तहसीलदार की सास के मृत्यु की वजह से नहीं हो सकी राजस्व विभाग की कार्यवाही, १२वाँ सामाजिक सत्याग्रह 31 मई को होगा आयोजित

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटक स्थल बाबा भयहरणनाथ धाम की राजस्व अभिलेखों में दर्ज वर्तमान भूमि व प्राचीन सार्वजनिक व सामलाती भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु आज रविवार को 11वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह प्रबन्ध संस्था भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा मलमास मेला में स्थित कंट्रोल रूम में आयोजित हुआ। पूर्व तय कार्यक्रम के अनुसार राजस्व टीम धाम नही पहुँच सकी, कानून गो ने सुबह महासचिव को अवगत कराया कि नायब तहसीलदार दिनेश तिवारी की सास की आक्समिक मृत्यु हो गई जिस कारण वह उन्नाव देर रात्रि में ही चले गए। जबकि नायाब ने महासचिव से शनिवार शाम को ही अवगत कराया था कि धाम आकर पत्थर गाड़ कर धाम व सार्वजनिक भूमि को अलग करेंगे।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि गत 15 मार्च 2026से सभी के सहयोग से कब्जा धारको व कब्जा से मुक्ति हेतु सामूहिक सत्याग्रह जारी है। राजस्व विभाग की टीम ने 3 मई को ही एस डी एम सदर के 28 मार्च 2026 के निर्देश पर कब्जा धारको को चिंहित कर लिया गया है। राजस्व टीम द्वारा धाम व सार्वजनिक भूमि को अलग कर, पत्थर गाड़ने का निर्णय लिया गया था। नायब तहसीलदार दिनेश चन्द्र तिवारी ने आज पुनः वायदा किया है कि आप लोग सत्याग्रह जारी रख कर अपना दायित्व निभाए हम व राजस्व टीम अगले रविवार से पहले धाम की भूमि को कब्जा मुक्त करके ही रहेंगे। सभी ने तय किया कि 31 मई को 12 वाँ सामाजिक सत्याग्रह आयोजित होगा।

सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया कि सत्याग्रहियों ने नायब साहब की पूज्य सास जी के निधन पर गहरा दुख जताते हुए सामूहिक शांति पाठ से सत्याग्रह का समापन किया गया। अंत में प्रबन्ध समिति व मन्दिर मेला व्यवस्था समिति के साथ महासचिव ने मेला व्यवस्था पर चर्चा व समीक्षा की । मेला कंट्रोल रूम से निश्चित जिम्मेदार व्यक्ति ही नियमानुसार अपनी सेवाएं दें अनावश्यक कार्य प्रतिबंधित रहेंगे।

इस अवसर पर संरक्षक श्री राम मन्दिर के पुजारी सीता राम बाबा, देवी प्रसाद मिश्र, अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, मेला संयोजक कमला कांत मिश्र, मेला सचिव अनिल मिश्र, उप संयोजक बुद्धि प्रकाश, शत्रुघन सिंह व मेला समिति से तेज प्रताप सिंह तथा कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम आदि शामिल रहे।

मुख्य कारखाना प्रबंधक किशन सिंह जी की भावपूर्ण विदाई

बंगाईगांव। न्यू बंगाईगांव कारखाना के मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री किशन सिंह जी को एक शानदार कार्यक्रम आयोजित कर भावपूर्ण विदाई दी गई। ज्ञात हो कि श्री किशन सिंह जी की सेवा अवधि आगामी 31 मई को समाप्त होने जा रही है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे स्थित न्यू बंगाईगांव कारखाना के दो सौ से अधिक सुपरवाइजर और पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षकों ने मिलकर उन्हें यह यादगार विदाई दी। कार्यक्रम न्यू बंगाईगांव स्थित ऑफिसर क्लब में रखी गई। मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री किशन सिंह और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बलविंदर कौर के आगमन पर उनका शानदार स्वागत किया गया। कार्पेट, कोल्ड पायरो, फॉग इफेक्ट और लोगो की तालियों के बीच उनके हॉल में आगमन का क्षण कैप्चर करने के लिए कैमरामैन और लोगो के मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट चमक उठी। तत्पश्चात कार्यक्रम के संचालन का जिम्मा उठाया पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार ने। उन्होंने मुख्य कारखाना प्रबंधक, उनकी धर्मपत्नी, पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक, उपमुख्य यांत्रिक अभियंता श्री सतीश कुमार और श्री रविन्द्र कुमार पातर, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री अशोक कुमार सिन्हा, सीएमटी श्री श्यामल चंद्र मंडल, कारखाना पदाधिकारी श्री महतो, उप विद्युत अभियंता श्री मुरारी हरी, मंडल चिकित्सा अधिकारी श्री नयनज्योति बर्मन सहित हॉल में उपस्थित सभी शॉप के इंचार्ज और अभियंताओं का स्वागत किया। श्री किशन सिंह और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बलविंदर कौर जी का कई तरह के पारंपरिक ग़मोछा, शॉल, फूल माला, जापी और सोराय देकर सम्मानित किया गया। इस क्रम में श्री चंदन कुमार ने एक मोमेंटो, श्री राकेश ढ़िलौर ने उपहार और श्री विनय कुमार ने उनके सम्मान में लिखी गई अपनी कविता वाली एक सुंदर फोटो और शॉल भेंट किया। अपने उद्बोधन में श्री सिंह ने सभी लोगों का आभार जताया। अपने कार्यकाल में यहां के लोगों द्वारा दी गई प्रेम और स्नेह को हमेशा याद रखने की बात कही। उन्होंने यह भी बताया कि लोग दो चीजों में से कोई एक ही कमा सकते हैं, या तो नाम या नामा (रुपया)। मैंने नाम कमाने की कोशिश की, जो आज आपके प्यार के रूप में दिख रहा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में श्री श्यामल चंद्र मंडल और सुपर्णा डे ने एक शानदार युगल गीत से शुरूआत की। श्री महतो और श्री दीपक शर्मा के गीतों ने शमां बांध दी तो वही डॉ नयनज्योति बर्मन की बेहतरीन गायकी ने लोगों का काफी मनोरंजन किया। रेल कवि के नाम से विख्यात श्री विनय कुमार ने अपनी कुछ दोहे और चौपाईयां सुनाई जो आदरणीय के विदाई गीत के रूप में थी। कार्यक्रम के अंत में अधिकारी सहित सभी लोगो ने रात्रिभोज का आनंद उठाया। सुपरवाइजर वेलफेयर कमेटी के चेयरमैन श्री कौशिक मल्लिक, सेक्रेटरी श्री पंकज सरनियां और ट्रेजरर श्री रंजन कुमार के लगन और संयोजन से यह कार्यक्रम सफल हुआ।

श्री दीप साहित्य संगम की काव्य गोष्ठी में गूँजा भोजपुरी सम्राट राकेश श्रीवास्तव का स्वर, श्रोता मंत्रमुग्ध

गोरखपुर। श्री दीप साहित्यिक सेवा संस्थान गोरखपुर द्वारा संचालित 'श्री दीप साहित्य संगम गोरखपुर' की मासिक काव्य गोष्ठी आज श्री विश्वकर्मा मंदिर, मानसरोवर, गोरखनाथ में अपराह्न 1.00 बजे से अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता '.नन्दलाल मणि त्रिपाठी पीताम्बर ने की'। गोष्ठी में 'मुख्य अतिथि' वरिष्ठ साहित्यकार 'श्री कुमार शैल सत्यार्थी जी' एवं 'विशिष्ट अतिथि' अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी गायक सम्राट 'आदरणीय राकेश श्रीवास्तव जी' की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। संस्था के 'राष्ट्रीय संरक्षक श्री नन्दलाल मणि त्रिपाठी श्पीतांबरश जी', 'मुख्य ट्रस्टी श्री दिनेश गोरखपुरी जी', 'श्री अभय श्रीवास्तव जी' एवं 'श्री भारतेन्द्र सिंह जी' ने दोनों अतिथियों का अंगवस्त्र, माल्यार्पण एवं संस्था का बैच लगाकर भावपूर्ण सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आदरणीया 'श्रीमती शशि पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत माँ सरस्वती वंदन से हुआ। इसके पश्चात देश के विभिन्न अंचलों से पधारे कवि–कवयित्रियों दृ आदरणीय' 'निर्मल गुप्त जी, परदेशी,श्रीमती शशि पाण्डेय,डॉ भारतेन्द्र सिंह जी,आर एन दुबे जी, बिंदु चौहान जी, दिनेश गोरखपुरी,वंदना सूर्यवंशी जी,प्रेम चंद्र निगम,राघवेंद्र मिश्र,निशा भारती,प्रेमलता श्रसबिंदुश,अनुरिता' 'अवध, एवं अन्य रचनाकारों ने अपनी ओज, शृंगार एवं करुण रस से सिक्त रचनाओं से श्रोताओं को भाव–विभोर कर दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन '.अभय कुमार श्रीवास्तव जिज्ञासु ' ने अपने चिर–परिचित प्रभावशाली अंदाज में किया। उन्होंने मंच से भोजपुरी गायक सम्राट 'आदरणीय राकेश श्रीवास्तव जी' को गीत प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया। 'राकेश श्रीवास्तव जी' ने जब अपने सुमधुर लोकगीतों की तान छेड़ी तो सम्पूर्ण सभागार झूम उठा और देर तक करतल ध्वनि से प्रांगण गूँजता रहा। इस अवसर पर 'मुख्य ट्रस्टी श्री दिनेश गोरखपुरी' ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'ष्श्री दीप साहित्य संगम का संकल्प है दृ भोजपुरी और हिंदी साहित्य की मशाल को नई पीढ़ी के हाथों तक पहुँचाना। आज दूर–दराज से आए कवियों और श्रोताओं ने यह सिद्ध कर दिया कि जब तक एक भी दीप जल रहा है, साहित्य की लौ बुझ नहीं सकती। राकेश श्रीवास्तव जी जैसी विभूतियों का सान्निध्य हमारी ऊर्जा को दोगुना कर देता है।

यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती से लखनऊ में गैंगरेप

दोस्त ने 2 लड़कों के साथ मिलकर 3 दिनों तक बंधक बनाया

लखनऊ (संवाददाता)। यूपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती से लखनऊ में गैंगरेप किया गया। 3 दिनों तक उसे एक रूम में बंधक बनाकर रखा गया। पहले दिन उसके दोस्त ने रेप किया और उसके बाद वह अपने 2 दोस्तों के साथ मिलकर अगले 2 दिनों तक जबरदस्ती करता रहा। युवती की हालत बिगड़ने पर कैब से उसे चारबाग ले गया और सुहेलदेव एक्सप्रेस में बैठाकर उसे दिल्ली भेज दिया। डरी सहमी युवती दिल्ली पहुंची तो फोन पर परिजन सूचना दी। पीड़िता की शिकायत पर दिल्ली में एफआईआर दर्ज की गई है। जौनपुर की रहने वाली युवती दिल्ली में रहकर तैयारी करती है। 15 मई को वह दिल्ली जाने के लिए ट्रेन पर सवार हुई थी। लेकिन लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंची तो उसका दोस्त वहां पहुंच गया। उसने उसे रोक लिया और उसे सुशांत गोल्फ सिटी में रूम पर लेकर गया।

गुलबक्सी

खिलते हैं जो शाम को, रखते नेक उसूल।
संज्ञा उनको दी गई, चार बजे का फूल।
चार बजे का फूल, जिसे गुलबक्सी कहते।
खुशबू के ही साथ, जड़ी–बूटी हैं बनते।
सुन लो कहें प्रदीप, कई रंगों को भरके।
पौधों की हर शाख, शाख पर हैं यह खिलते।।

तुरही के आकार का, आर्नामेंटल फूल।
गुलबस कहते हैं जिसे, लगते नहीं मलूल।
लगते नहीं मलूल, रहा करते बन ठनके।
करते सदा निदान, रोग का औषधि बनके।
सुन लो कहें प्रदीप, पुष्प की गजब बतकही।
रहता है यह मौन, बोलती इसकी तुरही।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान–2026 का समापन, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने किया संबोधित

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान–2026 के अंतर्गत 'जिला प्रशिक्षण वर्ग' कार्यक्रम का समापन समारोह रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के साथ–साथ सड़क, बिजली, पानी और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से कार्य किए गए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश विकास के नए मार्ग पर अग्रसर हुआ है।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्र पंचायत की विभिन्न जनहितकारी विकास योजनाओं का लोकार्पण भी किया। साथ ही उन्होंने संगठन एवं सरकार के कार्यों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का अवलोकन कर कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग को कार्यकर्ताओं की वैचारिक क्षमता और कार्यकुशलता बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण अभियान बताया। समारोह में भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्य, प्रदेश मंत्री शंकर लाल लोधी, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, विधायक योगेश शुक्ला, विधायक अमरेश कुमार तथा विधायक जय देवी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

भीषण गर्मी और लू की बीच ब्रजेश पाठक ने प्रदेशवासियों से की खास अपील

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रचंड गर्मी और लू के बीच रविवार को राज्य के नागरिकों को खुद को और प्रियजनों को गर्मी से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी। उत्तर प्रदेश सरकार में चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग संभाल रहे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सावधानी अपनाएं, सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें। इसी पोस्ट में पाठक ने सुझाव देते हुए कहा, अत्यधिक गर्मी के मौसम में लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में खुद को और अपने प्रियजनों को गर्मी से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए जरूरी सावधानियां अवश्य अपनाएं। उन्होंने कहा कि गर्मी में लू से घबराएं नहीं, बल्कि सजग बनें, सतर्क रहें, स्वस्थ रहें। ब्रजेश पाठक ने इस पोस्ट में भीषण गर्मी एवं लू से बचाव का एक पोस्टर भी साझा किया, जिसमें पर्याप्त मात्रा में जल, ओआरएस एवं नींबू पानी का सेवन करने, हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनने तथा धूप में सिर व शरीर को ढकने, जितना संभव हो ठंडे, हवादार एवं छायादार स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

इसी पोस्टर में सुपाच्य, हल्का एवं पौष्टिक भोजन ग्रहण करने की सलाह के साथ ही शिशुओं, बुजुर्गों, बीमार व्यक्तियों एवं पालतू पशुओं का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया गया है। इसमें तेज धूप और भीषण गर्मी में अधिक समय तक बाहर नहीं रहने की सलाह भी दी गई है। इसमें धूप में खड़े किये गये बंद वाहनों के भीतर नहीं बैठने और दोपहर के समय अत्यधिक शारीरिक श्रम अथवा भारी व्यायाम से बचने को भी कहा गया है।

ग्राम प्रधानों के ही हाथों में रहेगी 'बागडोर' !

चुनाव टले तो भी प्रशासक होंगे प्रधानजी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव 2026 को लेकर बड़ा अपडेट है। शायद इस बार पंचायत चुनाव तय समय पर नहीं होगे। ऐसे में योगी आदित्यनाथ सरकार ग्राम प्रधानों को बड़ी राहत देने के मूड में है।

जानकारी के मुताबिक सरकार प्रदेश की ग्राम सभाओं में प्रशासकों की नियुक्ति करेगी। मौजूदा प्रधानों को ही यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। यदि ऐसा हुआ तो पंचायत चुनाव तक ग्राम प्रधान ही गांवों के विकास कार्यों की निगरानी करेगे। इसको लेकर प्रदेश के प्रधानों में उत्साह है। उत्तर प्रदेश के ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को पूरा हो रहा है।

कार्यकाल समाप्त होने के बाद सामान्यतः प्रधानों के अधिकार खत्म हो जाते हैं। अब तक ऐसी स्थिति में एडीओ पंचायत अथवा ग्राम पंचायत अधिकारी को प्रशासक बनाया जाता था, जो पंचायत के कार्यों की जिम्मेदारी संभालते थे। इस बार सरकार पुराने सिस्टम में बदलाव कर सकती है। ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाया जाता है तो गांवों में चल रही योजनाओं और विकास कार्यों में रुकावट नहीं आएगी। सड़क, पानी, सफाई, आवास और अन्य योजनाओं का काम पहले की तरह जारी रह सकेगा। सरकार का मानना है कि पंचायत स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत रखने के लिए यह जरूरी हो सकता है।

सम्पादकीय.....

मां-बाप का हक

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां–बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां–बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले–बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां–बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख–सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां–बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी–लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता–पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां–बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन–संपत्ति के लिये मां–बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां–बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां–बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतरू इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ–पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता–पिता की सेवा–सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक–कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट–कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त–प्रताड़ित माता–पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता–पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है। न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है। न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो। लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है। हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं।

आर्थिक संयम की अपील : राष्ट्रवाद या संकट प्रबंधन

अरुण डनायक

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से आपूर्ति शृंखलाएं और तेल कीमतें प्रभावित हैंय ऐसे में 10 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए विदेश यात्रा व सोने की खरीद टालने, पेट्रोल डीजल की खपत घटाने, सार्वजनिक परिवहन, कार पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने तथा जीवनशैली में बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने पार्सल ढुलाई को रेल से और वर्क फ्रॉम होम को प्रोत्साहित करने की भी सलाह दी। यह अपील सतही तौर पर श्आर्थिक राष्ट्रवादश लगती है, पर संदर्भ में यह वैश्विक अस्थिरता और घरेलू दबावों की आपात प्रतिक्रिया प्रतीत होती है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भारत जैसे आयात–निर्भर देश पर दबाव बढ़ाया है। इसी पृष्ठभूमि में रुपया 95 प्रति डॉलर के पार पहुंचाकृ जो बाह्य क्षेत्र पर बढ़ते दबाव का संकेत है, जहां हाल के महीनों में निर्यात–आयात असंतुलन से बढ़ता चालू खाता घाटा और उससे भी अधिक पूंजीगत खाते की कमजोरीकृविशेषकर विदेशी निवेश, बाहरी उधारी और अन्य पूंजी प्रवाह में कमीकृरुपये पर दबाव के प्रमुख कारण रहे हैं। ऊर्जा और सोने पर भारी आयात निर्भरता भारत की संरचनात्मक कमजोरी रही है। तेल और सोने की ऊंची कीमतें डॉलर की मांग बढ़ाती हैं। खाड़ी देशों से प्रेषण पर अनिश्चितता ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। इस दबाव के बीच तेल वितरण कंपनियों को लगभग रुपए 1000 करोड़ का घाटा प्रतिदिन हो रहा है और खरीफ सीजन से पहले उर्वरकों के कच्चे माल जैसे प्राकृतिक गैस, पोटाश, अमोनिया जैसे रसायनों का महंगा आयात भी अपरिहार्य है। रासायनिक उर्वरकों की कमी या महंगाई से कृषि उत्पादन प्रभावित होने और खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है, जो समय रहते नियंत्रण न होने पर खाद्य सुरक्षा के लिए चुनौती बन जायेगी। ऐसे में प्रधानमंत्री की अपील मूलतरू डॉलर की मांग घटाने का एक आसान विकल्प भर है, जबकि परिस्थितियां कीमतों के यथार्थपरक समायोजन जैसे कठिन, पर अधिक प्रभावी, निर्णयों की मांग करती हैं। व्यवहारिक स्तर पर भी इस अपील की सीमाएं स्पष्ट हैं। अधिकांश शहरों में सार्वजनिक परिवहन अव्यवस्थित, भीड़भाड़ वाला और समय–साध्य है। दूसरी ओर, राजनीतिक रैलियों, सरकारी काफिलों और आयोजनों में संसाधनों का व्यापक उपयोग श्कथनी और करनीश के अंतर को उजागर करता है। मध्यप्रदेश में निगम–मंडल अध्यक्षों का सैकड़ों वाहनों के साथ राजधानी भोपाल पदभार ग्रहण करने पहुंचना इस विरोधाभास को और गहरा करता है। यह विरोधाभास जनता से अपेक्षित संयम की नैतिक ताकत को कमजोर करता है। बाजार की प्रतिक्रिया ने इस अपील के निहितार्थ को और स्पष्ट किया। एविएशन, पर्यटन और ज्वेलरी क्षेत्रों में तेज गिरावट आई और एक ही दिन में लगभग 4 लाख करोड़ की बाजार पूंजीकरण में कमी दर्ज की गई। पेट्रोल कीमत में हालिया बढ़ोतरी ने निवेशकों की आशंका को पुष्ट कर दिया है, जबकि बढ़ते आर्थिक दबाव के कारण समग्र आर्थिक संतुलन बिगड़ने की संभावना भी बनी हुई है। सरकार ने 69 दिनों के कच्चे तेल, एलएनजी और 45 दिनों के एलपीजी भंडार का हवाला देकर स्थिति को नियंत्रित बताया है, लेकिन दीर्घकालिक संकट की स्थिति में यह पर्याप्त नहीं माना जा सकता। इससे ऊर्जा नीति की सीमाएं भी उजागर होती हैं। सौर, पवन और भंडारण जैसी वैकल्पिक ऊर्जा में निवेश की गति धीमी है और इलेक्ट्रिक वाहनों, इंडक्शन कुकिंग तथा बायोगैस जैसे विकल्पों का विस्तार सीमित है। पेट्रोलियम भंडारण क्षमता भी पिछले एक दशक से नहीं बढ़ी है। 2003 में शुरू हुई रणनीतिक भंडारण परियोजना का दूसरा चरणकृजिसे 2021 में मंजूरी मिलीकृबजट और प्रक्रियागत देरी के कारण अब तक जमीन पर नहीं उतर सका है, परिणामस्वरूप पेट्रोलियम पर निर्भरता कम नहीं हो पाई है। नोटबंदी और कोविड लॉकडाउन की तरह इस बार भी अपील के बाद स्थिति स्पष्ट करने के लिए मंत्रियों को सामने आना पड़ा, जो संकेत देता है कि निर्णय और उसके प्रभावों के आकलन के बीच संतुलन अक्सर कमजोर रहता है। भारत की विदेश नीति के क्रियान्वयन पर भी प्रश्न उठते हैं। संकट की इस संवेदनशील घड़ी में शीर्ष स्तर की पश्चिम एशिया यात्राओं का समय और प्राथमिकता स्पष्ट रणनीतिक संदेश नहीं दे पातीं। बढ़ते तनाव के बीच ऐसी सक्रियता कूटनीतिक पहल तो दिखाती है, पर उसके ठोस परिणामों और रणनीतिक लाभों पर पारदर्शिता का अभाव बना रहता है। सबसे गंभीर प्रश्न संसदीय लोकतंत्र और संसद में जवाबदेही से जुड़ा है । इतने महत्वपूर्ण वैश्विक संकट पर संसद में व्यापक चर्चा और सर्वसम्मत नीति–निर्माण अपेक्षित था, लेकिन सरकार की सक्रिय पहल का अभाव दिखा। विपक्ष के सुझावों की अनदेखी और संवाद की कमी से संकट प्रबंधन संस्थागत विमर्श के बजाय सीमित दायरे में सिमटता प्रतीत होता है। सांस्कृतिक पहल के नाम पर मंदिरों में स्वर्णमंडन की भव्य परियोजनाओं के बीच सोना न खरीदने की अपील एक विरोधाभास पैदा करती है। एक ओर आर्थिक संयम का संदेश है, तो दूसरी ओर स्वर्ण उपयोग का विस्तार श्स्वर्ण संसाधन अवरोधश को बढ़ावा देता दिखता है। भारतीय रिजर्व बैंक भी हाल के वर्षों में अपने स्वर्ण भंडार में लगातार वृद्धि कर रहा है। मार्च 2026 तक बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर 16.7प्रतिशत हो गई, जो छह महीने पहले 13.92प्रतिशत थी। वैश्विक स्तर पर कई केंद्रीय बैंक आर्थिक अनिश्चितता और बाजार अस्थिरता से बचाव के लिए सोना एक सुरक्षित संपत्ति के रूप में बढ़ा रहे हैं, जो संस्थागत स्तर पर इसके महत्व को दर्शाता है। हालांकि सोना खरीदना व्यक्तिगत रूप से गलत नहीं है, पर यह केवल निजी पसंद नहीं, बल्कि भारत की पारंपरिक बचत प्रवृत्ति और आधुनिक आर्थिक आवश्यकताओं के बीच एक संरचनात्मक द्वंद्व भी है। ऐसे में नीति–निर्माण के स्तर पर इन दोनों प्रवृत्तियों के बीच अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता महसूस होती है। यद्यपि भारत के पास लगभग 690 बिलियन डॉलर का पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विशेष आहरण अधिकारों (एसडीआर) का आपात उपयोग भी नहीं करना पड़ा है, इसलिए 1990–91 जैसी गंभीर स्थिति की आशंका फिलहाल कम हैय तथापि विलंब से उठाए गए कदमों के बीच ऐसी अपील आर्थिक रूप से उचित प्रतीत होती है, पर इसकी प्रभावशीलता सरकार की नीतिगत सुसंगति और विश्वसनीयता पर निर्भर करती है। यदि समय रहते ऊर्जा विविधीकरण, आयात निर्भरता में कमी और संस्थागत संवाद मजबूत किए गए होतेकृसाथ ही अस्थिर विदेशी संस्थागत व पोर्टफोलियो निवेश को आकर्षित करने वाली नीतियां सुधारी जातीं, गोल्ड बॉन्ड अधिक आकर्षक बनाए जाते, संकट संचार पेशेवर होता और पेट्रोलियम भंडारण विस्तार समय पर होताकृतो आज स्थिति इतनी दबावपूर्ण न होती। आर्थिक संकट से निपटने के लिए केवल जनता से संयम की अपेक्षा पर्याप्त नहींकृ सरकार भी अपने निर्णयों, प्राथमिकताओं और आचरण में आवश्यक पारदर्शिता दिखाए, तभी आर्थिक राष्ट्रवादश ठोस राष्ट्रीय प्रयास बन पाएगा।

परंपरागत अनाजों के साथ पशुपालन भी

बाबा मायाराम

हाल ही में मेरा छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के पास गनियारी में जाना हुआ। यहां एक जन स्वास्थ्य सहयोग का मशहूर अस्पताल है, जहां कम कीमत में अच्छा इलाज होता है। यहां की खास बात यह भी है कि बीमारी के इलाज के साथ उससे बचाव और रोकथाम पर भी ध्यान दिया जाता है। इसके लिए जैविक खेती, पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। मैं यहां कई सालों से आता जाता रहा हूं। अप्रैल के माह में भी जाना हुआ था। आज यहां कृषि कार्यक्रम पर बात करना चाहूंगा, जिससे हम सेहत व स्वास्थ्य का अच्छा ख्याल रख सकें। जन स्वास्थ्य सहयोग (जेएसएस) स्वास्थ्य पर काम करने वाली गैर–सरकारी संस्था है, जो यहां वर्ष 1999 से कार्यरत है। स्वास्थ्य की मौजूदा हालत से चिंतित होकर दिल्ली के कुछ मेधावी डाक्टरों ने इसकी शुरूआत की थी। जन स्वास्थ्य सहयोग केन्द्र, बिलासपुर से 20 किलोमीटर दूर गनियारी में स्थित है। यहां अस्पताल होने के साथ कृषि कार्यक्रम भी संचालित होता है। बीमारी के इलाज के साथ उसके बचाव और रोकथाम पर जोर दिया जाता है। बिलासपुर जिले का यह इलाका जंगल से लगा है। अन्य जातियों के अलावा गोंड और बैगा आदिवासी यहां के बाशिन्दे हैं। बैगाओं की पहचान उनकी बेंवर खेती (झूम खेती और अंग्रेजी में इसे शिफ्टिंग कल्टीवेशन कहते हैं) से होती है, जिसमें वे कई तरह के अनाज एक साथ बोते थे। इसमें अनाज के साथ दालें भी होती थीं। यह खेती संतुलित व पर्याप्त भोजन देने में सक्षम थी। जन स्वास्थ्य सहयोग के खेत के अनाज भी आदिवासियों के पौष्टिक अनाज ही हैं। यहां संस्था के खेतों में अभी गर्मी में कुटकी और मड़िया की खेती हो रही है। इसकी लहलहाती फसल को देखकर किसी का भी दिल उछल सकता है। हालांकि इस बार पानी की कमी के कारण खेतों में काम करने वाले कार्यकर्ता थोड़े परेशान दिखे। लेकिन फिर भी उनका उत्साह कम नहीं हुआ है, लगातार खेती की देखभाल व परवरिश कर रहे हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टर कृषि कार्यक्रम का विशेष महत्व बताते हैं। उनका कहना है कि एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। पोषण का संबंधा खेती से है। इसलिए स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए हम कृषि कार्यक्रम चला रहे हैं। इसके लिए समय–समय पर जेवनार मेला भी आयोजित करते हैं। जहां परंपरागत भोजन व उसे तैयार करने की पद्धति भी बताई जाती है। जेवनार मेला जनसाधारण में काफी लोकप्रिय हो रहा है। इस कृषि कार्यक्रम के दो हिस्से हैं। एक तो जन स्वास्थ्य सहयोग की जमीन पर विविध देसी बीजों की फसलें उगाना, उनकी जानकारी एकत्र करना, उन्हें संरक्षित करना, देसी बीज और उनकी जानकारी किसानों तक पहुंचाना। और दूसरा, किसानों के साथ मिलकर उनको जैविक खेती से जोड़ना, खेती के वैकल्पिक प्रयोग करना, कार्यशालाओं, बैठकों और कृषि प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों तक यह जानकारी पहुंचाना और उन्हें जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करना। खास बात यह है कि यहां जो भी फसलें उगाई जाती हैं, पूरी तरह बिना रासायनिक खाद के और जैविक तरीके से उगाई जाती हैं। मिट्टी–पानी के संरक्षण के साथ बोई जाती हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग का समृद्ध देसी बीज बैंक है। उसमें धान के गेहूं, मड़िया (रागी) और सेमी की किस्में हैं। इसके अलावा, बैंगन, भिंडी, दलहन, तिलहन, अलसी, तिली, सेमी की देसी किस्में हैं। विविध धान किस्मों में महीन, सुगंधित, भूरी, हरी, काली और लाल चावल शामिल हैं। इनमें जल्दी पकने वाली और देर से पकने वाली किस्में शामिल हैं। कृषि कार्यक्रम के कार्यकर्ता होमप्रकाश साहू कहते हैं कि खेतों में श्री पद्धति से बुआई की जाती है। इसमें बीज की मात्रा कम लगती है और खेत में पानी भरकर भी नहीं रखा जाता, जिससे पौधे को अच्छी हवा, प्रकाश और भरपूर ऊर्जा मिलती है और पैदावार अच्छी होती है। इस पद्धति को मेडागास्कर पद्धति के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रयोग गर्मी में इसलिए किया गया क्योंकि बारिश में ज्यादा पानी में ये फसलें सड़ जाती हैं, इन्हें कम पानी की जरूरत है। उन्होंने बताया था कि मड़िया को पकने में 120–125 दिन लग जाते हैं। यह इसलिए भी उपयोगी है क्योंकि छत्तीसगढ़ में अब गर्मी में धान की फसल लेने का प्रचलन शुरू हुआ है,जो ज्यादा पानी मांगती है। यह फसलें कम पानी वाली हैं और गर्मी के धान का अच्छा विकल्प है। होमप्रकाश साहू आगे कहते हैं कि हमारे ये पौष्टिक अनाज लोगों को पोषणयुक्त भोजन देंगे, जो गर्मी में कम पानी में पक जाते हैं। इनमें सब्जी की तरह ही पानी चाहिए। धान की तरह खेतों में पानी भरकर रखने की जरूरत नहीं हैं। जंगल और ग्रामीण इलाकों में पोषण की बहुत कमी है। यह बहुत ही पौष्टिक फसलें हैं, इनमें लौह तत्व, कैल्शियम,रेशे सभी पोषक तत्व होते हैं। कई बीमारियों से बचाव करते हैं। इसी प्रकार, पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़े महेश शर्मा बताते हैं कि यह कार्यक्रम करीब 50 गांवों में चल रहा है।

इस कार्यक्रम के लिए 7 पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, जिनका चयन गांव के समुदायों द्वारा किया गया है। कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया है। शुरूआत में पशु स्वास्थ्य के प्रशिक्षण में पुणे की अंतरा संस्था और इसी नाम की एक अन्य हैदराबाद की संस्था ने सहयोग दिया था।

टुक-टुक की ट्रेन

(बाल–कविता)

टुक–टुक–टुक, टुक–टुक–टुक,
ट्रेन चल रही छुक–छुक–छुक,
टुक–टुक–टुक, टुक–टुक–टुक।

भालू झंडी हरी दिखाए,
बंदर तब इसको दौड़ाए,
अंदर बैठे तभी सवारी,
जब ये जाती रुक–रुक–रुक,
टुक–टुक–टुक.....

कोयल आई, कौआ आया,
बिल्ली आई, कुत्ता आया,
साथ सभी के जाने आया,
बूढ़ा चूहा झुक–झुक–झुक,
टुक–टुक–टुक..... ।

चाय बेचने चींटी आई,
बिस्कुट लेकर चींटा आया,
टॉफी लिये गिलहरी आई,
बोली ले लो पुक–पुक–पुक,
टुक–टुक–टुक..... ।

टुक–टुक बैठा गाड़ी में,
सजी थी श्कीवीश साड़ी में,
हिंदी उसको नहीं थी आती,
बोली मिस्टर लुक–लुक–लुक,
टुक–टुक–टुक..... ।

शरत् चन्द्र श्रीवास्तव 'सरल'
गंगागंज, प्रयागराज
मो. 9450634377

चिंता पैदा करती है न्याय की भाषा

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत शर्मा द्वारा भरी अदालत में कुछ समूहों को परजीवी और तिलचट्टे के रूप में वर्गीकृत करना दुर्भाग्यपूर्ण, चिंताजनक और परेशान करने वाला है। ये टिप्पणियां पिछले सप्ताह एक वकील द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता का पदनाम प्राप्त करने के प्रयास से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान की गईं। इसके बाद मचे बवाल के बाद सीजेआई ने तुरंत स्पष्टीकरण देते हुए कहा– श्मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी जिन्होंने धोखेबाजी और फर्जी डिग्रियों की सहायता से बार (कानूनी पेशा) जैसे व्यवसायों में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित व्यवसायों में भी घुसपैठ कर चुके हैं इसलिए वे परजीवियों के समान हैं... यह कहना पूरी तरह निराधार है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। हालांकि हमें सीजेआई के इस बात को स्वीकार करना होगा कि जैसा बताया गया था, उन्होंने भारत के युवाओं की आलोचना नहीं की और उनकी मूल टिप्पणी एक संकीर्ण वर्ग को लक्षित करती थी जिनके बारे में उन्हें लगता था कि इन लोगों के पास फर्जी शैक्षणिक योग्यताएं हैं लेकिन मौजूदा समस्या की जड़ व्यापक रूप से की गई टिप्पणियां और विशेष रूप से शब्दों का चयन है। भाषा विचारों को प्रकट करती है और अक्सर आगे आने वाली घटनाओं की नींव रखती है। जेन बौद्ध भिक्षु थिच न्हाट हान ने कहा था कि प्रत्येक संदेश पर उसे भेजने वाले व्यक्ति की छाप होती है। उन्होंने लिखा कि हम उस बादल की तरह हैं जो वर्षा उत्पन्न करता है इसलिए बादल फटने के बाद भी वर्षा का प्रभाव स्थायी रहता है क्योंकि यह रिसकर धरती में समा जाती है। इसी तरह महात्मा गांधी ने यह मानते हुए अहिंसा की बात श्विचार, शब्द और कर्मश में की, कि ये तीनों तत्व परस्पर जुड़े हुए हैं और आपस में मिलकर संपूर्ण मानवीय अनुभव का निर्माण करते हैं। यहां तक कि गांधी ने किसी दुष्ट व्यक्ति के विरुद्ध भी इस प्रकार की अपमानजनक भाषा का प्रयोग न करने के प्रति आगाह किया था। इस परिप्रेक्ष्य और कई अन्य मानकों के आधार पर देखा जाए तो मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणियां और उसके बाद जारी किया गया स्पष्टीकरण स्पष्ट रूप से अपर्याप्त हैं। भले ही मुख्य न्यायाधीश का निश्चित रूप से ऐसा कोई इरादा न रहा हो, लेकिन शब्दों में निहित हिंसा, भाषा का अमानवीय स्वरूप और समाज के कुछ वर्गों को अलग–थलग करने का इसका सुस्थापित इतिहास, इसे देश के सर्वोच्च न्यायिक प्राधिकरण से एक विशेष रूप से अवांछनीय प्रस्तुति बनाता है। इसके अलावा भले ही ये टिप्पणियां आकस्मिक रूप से की गई हों लेकिन इनका प्रभाव आगे चलकर अज्ञात और जटिल तरीकों से देश की संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। यह पहली बार नहीं है कि मुख्य न्यायाधीश ने विवादित मामलों में टिप्पणियां की हैं। जनवरी में, घरेलू कामगार संघों द्वारा न्यूनतम मजदूरी कानून के दायरे में शामिल किए जाने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी की थी कि औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद जिम्मेदार है, श्रमिक संघ सुधारों का विरोध करते हैं और निवेश को हतोत्साहित करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा था– श्देश में कितनी औद्योगिक इकाइयां ट्रेड यूनियनों की वजह से बंद हो गई हैं?श इसी तरह पर्यावरणविदों पर हालिया टिप्पणियों ने चिंता पैदा की है। रिपोर्टों में मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की बेंच के हवाले से कहा गया हैरू श्हमें एक भी ऐसी परियोजना दिखाएं जहां इन पर्यावरणविदों ने कहा हो कि हम इसका स्वागत करते हैंश और श्आप पर्यावरण के नाम पर सब कुछ रोकना चाहते हैं... बुनियादी ढांचे के बिना देश का विकास कैसे हो सकता है?श ये टिप्पणियां राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के उस आदेश के खिलाफ अपील में आईं जिसमें गुजरात में पीपावाव बंदरगाह परियोजना के विस्तार को दी गई पर्यावरण मंजूरी को चुनौती दी गई थी। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को एनजीटी के समक्ष पुनर्विचार अपील दायर करने की अनुमति दी और याचिका का निपटारा कर दिया। नागरिकों को जरूरत से ज़्यादा श्रेणियों में बांटने और उन्हें अलग–अलग लेबल लगाकर समूहबद्ध करने की प्रवृत्ति खतरनाक है। यह वे बनाम हम के विभाजन को जन्म देती है जो हमारे समय के प्रमुख विचारों के विरुद्ध उठने वाली आवाजों को दबा देती है, जटिल मुद्दों को कुछ ज्यादा ही सरल बना देती है और अंततरू न्याय के उद्देश्य की पूर्ति नहीं करती। सभी पर्यावरणविदों, सभी ट्रेड यूनियनों या युवाओं को सकारात्मक अथवा नकारात्मक रूप से वर्गीकृत करना एक पूर्वाग्रह को दर्शाता है जिससे मामले की विशिष्टताओं और वर्तमान स्थिति की जटिलताओं को समझना मुश्किल हो जाता है। 1950 के दशक की प्रसिद्ध पुस्तक द नेचर ऑफ प्रेजुडिस में गॉर्डन ऑलपोर्ट ने लिखा था कि मनुष्य में पूर्वाग्रह की प्रवृत्ति होती है। यह सामान्यीकरण, अवधारणाओं और श्रेणियों को बनाने की सामान्य और स्वाभाविक प्रवृत्ति में निहित है जिनकी सामग्री अनुभव की दुनिया का सरलीकरण प्रस्तुत करती है। ऑलपोर्ट ने लिखा कि निश्चित रूप से कुछ तर्कसंगत श्रेणियां हैं जो अनुभव के करीब हैं लेकिन उतनी ही अतार्किक श्रेणियां भी हैं जो श्पूरी तरह से सुनी–सुनाई बातों, भावनात्मक अनुमानों और कल्पनाओं से बनी हैं।

ऐश्वर्या के ब्लू गाउन को बनाने में लगे 1500 घंटे, क्या रही प्रेरणा ? डिजाइनर ने बताई ड्रेस की डिटेल्स

ऐश्वर्या राय बच्चन हर साल कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करती हैं, हर बार उनके लुक चर्चा में रहते हैं। इस बार भी जब वह कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर उतरीं तो महफिल ही लूट ली। उनका ब्लू गाउन लुक फैंस और फैशन क्रिटिक्स को भी पसंद आया। यहां जानिए, किसने डिजाइन की ऐश्वर्या राय की ड्रेस? इस गाउन लुक की इंस्पिरेशन क्या रही? जानें खास डिटेल्स। कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के लिए ऐश्वर्या राय का ब्लू गाउन लुक फैशन डिजाइनर अमित अग्रवाल ने डिजाइन किया है। इस गाउन लुक से जुड़ी डिटेल्स को डिजाइनर के इंस्टाग्राम पेज पर भी साझा किया गया है। पोस्ट में लिखा है, 'कान फेस्टिवल की एक बेजोड़ आइकॉन ऐश्वर्या राय बच्चन अमित अग्रवाल की बनाई हुई गाउन ड्रेस में नजर आईं।' आगे पोस्ट में बताया गया है कि ऐश्वर्या का गाउन लुक बनाने में लगभग 1500 घंटे लगे हैं। पोस्ट में लिखा है,

> इस गाउन का डिजाइन स्पेस यानी अंतरिक्ष से इंस्पायर है। गाउन का गहरा नीला रंग और इसका डिजाइन ब्रह्मांड जैसा आभास देता है। बेटी आराध्या ने भी अपने लुक से फैंस को चौंकाया, वह भी ऐश्वर्या के साथ दिखी।

'स्टाइलिस्ट मोहित राय के साथ मिलकर ऐश्वर्या का पूरा लुक तैयार किया गया। इस गाउन में क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी की गई है। हजारों क्रिस्टल को जालीदार बनावटों के अंदर पिरोया गया है। इस काम में लगभग 1500 घंटे से ज्यादा का समय कारीगरों को लगा है। पोस्ट में आगे लिखा है, इस गाउन का डिजाइन स्पेस यानी अंतरिक्ष से इंस्पायर है। गाउन का गहरा नीला रंग और इसका डिजाइन ब्रह्मांड जैसा आभास देता है।' कान फिल्म फेस्टिवल से ऐश्वर्या राय बच्चन का दूसरा लुक भी वायरल हुआ। हल्के गुलाबी रंग के गाउन में वह नजर आईं। बेटी आराध्या ने भी अपने लुक से फैंस को चौंकाया, वह भी ऐश्वर्या के साथ दिखीं। आराध्या ने रेड कलर का खूबसूरत गाउन पहना था। अब आराध्या के लुक की चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है।

जेंडाया ने साझा किया स्पाइडर मैनः ब्रांड न्यू डे का अनुभव, टॉम के साथ काम करने को बताया घर लौटने जैसा

हॉलीवुड स्टार जेंडाया और टॉम हॉलैंड फिल्मी दुनिया के मशहूर कपल हैं। दोनों पार्टनर होने के साथ–साथ को स्टार्स भी हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने टॉम हॉलैंड के साथ अपनी आगामी फिल्म स्पाइडर मैनरू ब्रांड न्यू डे की शूटिंग के दौरान के अनुभव साझा किये। एक्ट्रेस जेंडाया ने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, फिल्म स्पाइडर मैनः ब्रांड न्यू डे में काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा है। यहां मुझे हर दिन अपने सबसे अच्छे दोस्त और सबसे करीबी व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिलता है। हम अपने पेट डॉग को भी काम पर लाते हैं। यह एक पारिवारिक माहौल जैसा है। हम इन फिल्मों को देखते हुए बड़े हुए हैं। इस फिल्म के सेट पर घर लौटने जैसा महसूस होता है। जेंडाया ने अपनी और टॉम की दूसरी फिल्म द ओडिसी के बारे में भी काफी कुछ कहा। उन्होंने बताया कि इसमें टॉम के साथ उनका कोई एक्शन सीन नहीं है जिससे उन्हें टॉम को सेट पर काम करते देखने का मौका मिलता है। उन्हें इस फिल्म पर काम करते देख उन्हें गर्व महसूस होता है। हॉलीवुड कपल जेंडाया और टॉम हॉलैंड की डेटिंग की खबरें बीते काफी वक्त से सुर्खियों में है। चर्चा थी कि दिसंबर 2024 में दोनों ने सगाई कर ली। रिपोर्ट्स के अनुसार इस साल दोनों गुपचुप तरीके से शादी कर चुके हैं। हालांकि, अब तक ना टॉम और ना ही जेंडाया ने इस पर कोई भी बयान दिया है।

हर्षवर्धन राणे ने दी हेल्थ टिप्स, बोले- आम खाना है मनाय सोनम बाजवा समेत यूजर्स ने किए मजेदार कमेंट

अभिनेता हर्षवर्धन राणे अपनी बेहतरीन अदाकारी और अच्छी फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर वर्कआउट करते हुए अपनी फोटो और वीडियो शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने फिटनेस से जुड़ी एक पोस्ट की है। इसके साथ उन्होंने मजेदार कैप्शन लिखा है। इस कैप्शन ने लोगों का ध्यान खींचा है। हर्षवर्धन राणे ने जो पोस्ट की है उसमें देखा जा सकता है कि वह रेड लाइट के नीचे लेटे हैं। अपनी फोटोज के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है बॉडी बनाने के लिए 3 चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं। पहली कसरत, दूसरी खाना और तीसरी चीज रिकवरी। आम खाने की भी इजाजत नहीं है। इस पोस्ट ने लोगों का ध्यान खींचा है। कई यूजर्स ने हर्षवर्धन राणे की सलाह तो मानी है लेकिन उन्होंने आम ना खाने वाली बात को लेकर कमेंट किया है। अभिनेत्री सोनम बाजवा ने अभिनेता की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा मैंने कसरत की, खाना खाया, रिकवरी की और तीन आम भी खाए। एक और यूजर ने लिखा मैंने कसरत की, खाना खाया और एक आम खाया। एक और यूजर ने लिखा आप कह रहे हो कि आम मत खाओ, इधर हम आम खा कर सोच रहे थे कि इंद्र बन जाएंगे। एक यूजर ने लिखा आम को लेकर मैं शर्मिंदा हूं। आपकी मसल्स और अनुशासन के आगे फेल हो गए। आपको बता दें कि हर्षवर्धन राणे आखिरी बार फिल्म एक दीवाने की दीवानियत (2025) में नजर आए थे। इसमें उनके साथ सोनम बाजवा भी थीं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कामयाब रही थी। वह जल्द ही फिल्म सिला का हिस्सा होंगे।

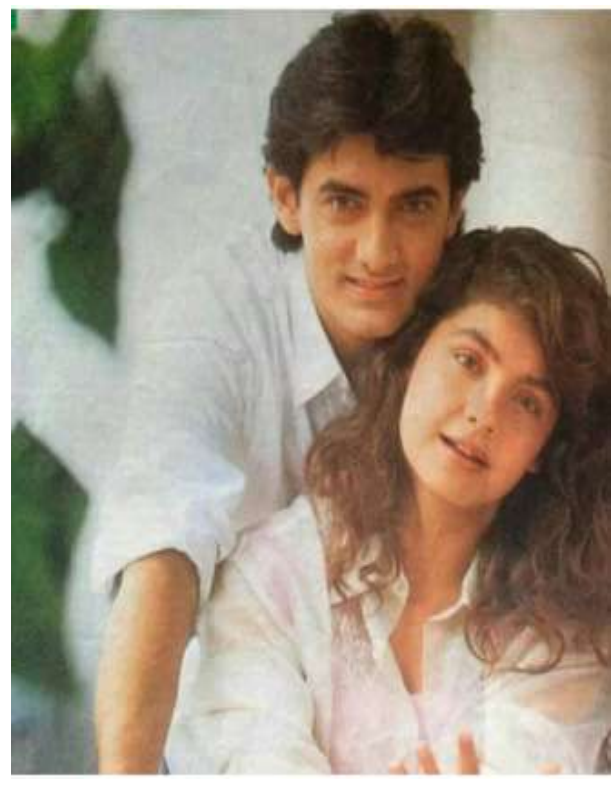

पूजा भट्ट ने आमिर खान के साथ साझा की पुरानी तस्वीरें, इस अंदाज में दिखे सितारेय किसे खुश करने की कही बात?

90 के दशक की फिल्में, गाने और सेलेब्स की जोड़ियां आज भी सिनेमाप्रेमियों की पहली पसंद हैं। इस बीच अभिनेत्री व फिल्ममेकर पूजा भट्ट ने आमिर खान के साथ 90 के दशक की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरें किसी फोटोशूट की मालूम पड़ती हैं। हालांकि, पूजा ने इन तस्वीरों के पीछे की कहानी को लेकर जो कुछ कहा है, उसको लेकर फैंस और भी उत्साहित हैं और इनके पीछे की कहानी जानना चाहते हैं। पूजा भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर आमिर खान के साथ 90 के दशक के एक फोटोशूट की दो तस्वीरें साझा की हैं। ये पुरानी तस्वीरें मशहूर फोटोग्राफर गौतम राज्याध्यक्ष ने खींची थीं। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए पूजा ने कैप्शन में लिखा, 'एक दिन मैं गौतम राज्याध्यक्ष के ह्यूजेस रोड स्थित आलीशान घर की बालकनी में खींची गई इन तस्वीरों के पीछे की कहानी जरूर साझा करूंगी। लेकिन अभी नहीं। इससे पहले आमिर को याद दिला दूं और जितेश पिल्लई को (जैसा कि मैंने बहुत समय पहले वादा किया था) सारी जानकारी देकर उन्हें खुश कर दूं।' तस्वीरों में आमिर और पूजा यंग नजर आ रहे हैं। दोनों ने मैचिंग करते हुए सफेद रंग के कपड़े पहने हुए हैं। दोनों साथ में प्यारा पोज दे रहे हैं। पूजा भट्ट और आमिर खान ने 1991 की रोमांटिक ड्रामा फिल्म शदिल है के मानता नहींश में एक साथ काम किया था। इसका निर्देशन पूजा भट्ट के पिता और दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट ने किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसके गाने आज भी कई लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल हैं। फिल्म में आमिर ने पत्रकार रघु जेटली का किरदार निभाया था, जबकि पूजा ने अमीर घर की वारिस पूजा धर्मचंद की भूमिका निभाई थी। पूजा भट्ट हाल ही में श्बॉम्बे बेगम्सश और शबिग बॉस ओटीटी 2श जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आईं। जबकि आमिर खान पिछले साल आई फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में अपने बेटे जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' को प्रोड्यूस किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी।

आवारा कुत्तों पर सीएम भगवंत मान के आदेश से सोनू सूद असहमत, बेजुबानों के लिए अभिनेता ने की ये मांग

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूरे पंजाब में सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया है। इस पर कई हस्तियों ने प्रतिक्रिया दी है। इसी कड़ी में अभिनेता सोनू सूद का भी इस मामले पर रिएक्शन आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आवारा कुत्तों के लिए अपनी चिंता जाहिर की है। पंजाब के मुख्यमंत्री के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए सोनू सूद ने कहा, मैंने आज सुबह ही एक ट्वीट देखा जिसमें पंजाब के सीएम ने एक आदेश दिया कि जितने भी सड़क किनारे रहने वाले कुत्ते हैं, उन्हें पकड़कर ले जाया जाएय पता नहीं फिर उनके साथ क्या होगा मुख्यमंत्री के आदेश से अपनी असहमति जताते हुए सोनू ने कहा, इंसान सिर्फ किताबें लिख सकता है, लेकिन वफादारी की बात करें तो सिर्फ कुत्ते ही होते हैं जो वफादार होते हैं। कुछ जगहों पर कुछ ऐसे कुत्ते होते हैं जो बच्चों या वहां रहने वालों पर हमला करते हैं। ऐसे कुत्तों से अलग से निपटा जा सकता है, लेकिन सभी आवारा कुत्तों को हटाना या मारना सही हल नहीं है। एक्टर ने आगे कहा, हमें इस आदेश को रुकवाना है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को इसके बजाय आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर और घर बनाने चाहिए ताकि वे सुरक्षित और शांति से रह सकें। सोनू सूद ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, वे हमारी सड़कों की रखवाली करते हैं, बिना किसी शर्त के प्यार करते हैं, और बदले में कुछ नहीं मांगते। आवारा कुत्तों को मारना कोई हल नहीं है। दया ही असली हल है। उनकी रक्षा करें। उन्हें खाना खिलाएं। उन्हें जीने दें। आपको बता दें कि सीएम भगवंत मान ने हाल ही में पंजाब में आवारा कुत्तों के हमलों की बढ़ती समस्या पर बात की। उन्होंने कथित तौर पर अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया।

जब मन मांगे कुछ मीठा, तो झटपट घर पर बनाएं नारियल के टेस्टी-टेस्टी लड्डू

नारियल अनेक पोषक तत्वों से युक्त होता है और यही कारण है कि गर्भावस्थ्था के दौरान आहार में इसे शामिल किए जाने की सलाह दी जाती है। आप नारियल को कई तरह से खा सकती हैं जिनमें से एक है नारियल के लड्डू। वैसे तो नारियल की कई रेसिपी होती है। जिसमें नारियल का इस्तेमाल किया जाता है। नारियल के लड्डू के आलावा नारियल की बर्फी भी बनाई जा सकती है यह भी बनाना बहुत आसान है। लेकिन आज हम नारियल ने लड्डू बनाना सीखेंगे। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

सामग्री

कच्चा नारियल– 200ग्राम (कद्दूकस किया हुआ)

चीनी– ½ कप

घी– 2 चम्मच

छोटी इलायची पाउडर – ½ चम्मच

काजू – 8–10 (कटे हुए)

बादाम– 8–10 (कटे हुए)

दूध–1 कप

केसर या फूड कलर– वैकल्पिक

बनाने की विधि

1 सबसे पहले नारियल को धोकर अच्छे से बारीक कद्दूकस कर लें।

2 फिर गैस पर धीमी आंच पर एक कढाई रखें।

3 इसमें 2 चम्मच घी डालें और गर्म होने दें।

4 घी में थोड़ी काजू बादाम भूनकर निकालें।

5 फिर कद्दूकस किए हुए नारियल को डालें और चलाते हुए भुनें।

6 इसे थोड़ी–थोड़ी देर में चलाते रहें ताकि नारियल कढाई में न चिपके।

7 अब इसमें दूध डालें और चलाते हुए मिक्स करें और फिर भुने हुए काजू बादाम मिक्स करके भुनें।

8 फिर चीनी डालकर मिलाते हुए चलाएं और आंच को धीमी रखें।

9 जब नारियल के ऊपर चासनी चिपचिपी सी हो जाएं तब आंच बंद कर दें।

10 अब इसे हल्का ठंडा होने दें।

11 फिर इसे हाथों में लेकर छोटी–छोटी बॉल की साइज के लड्डू तैयार करें।

12 लीजिए तैयार है आपके लड्डू।

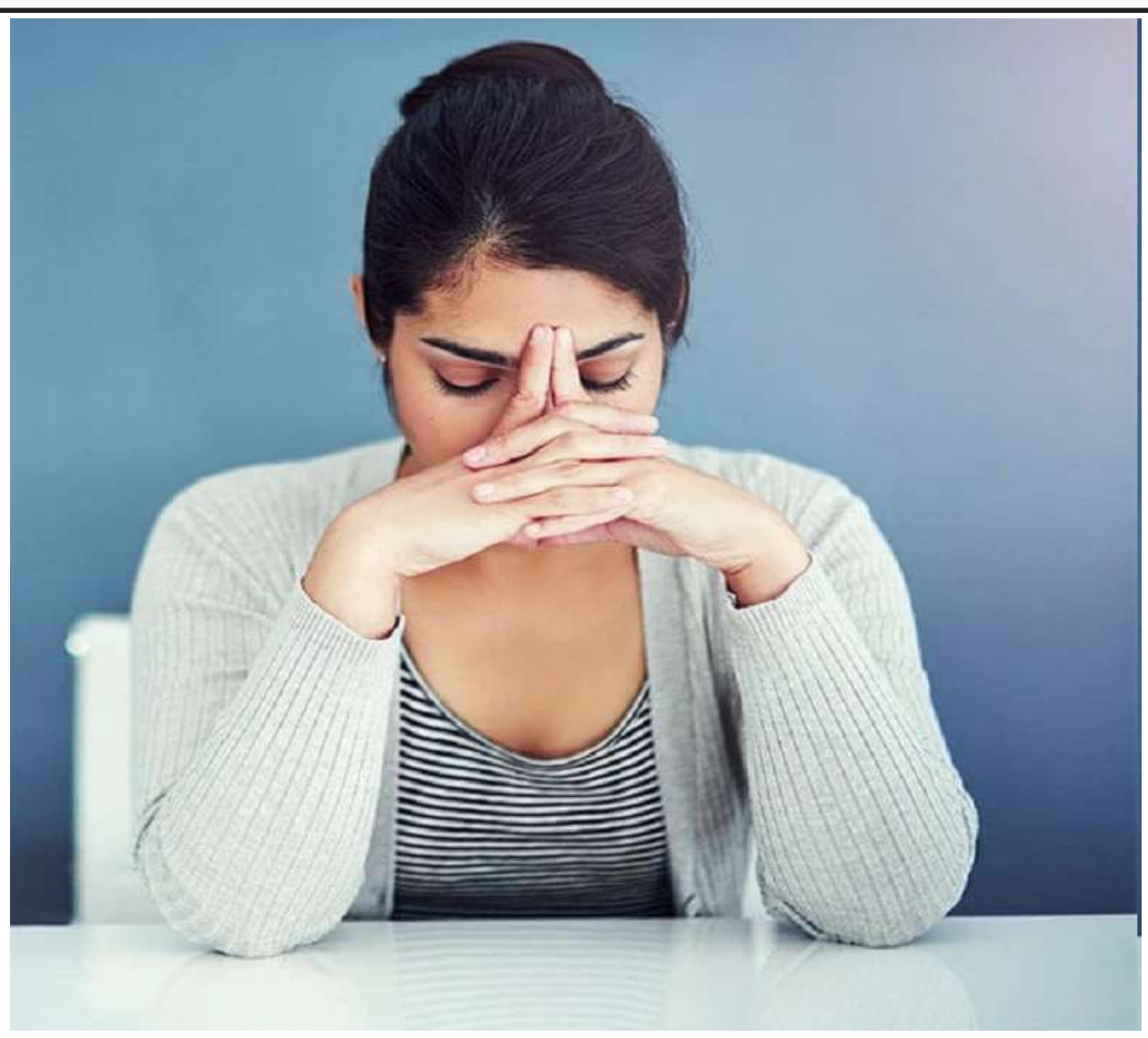

इन लक्षणों को इग्नोर करना मेंटल हेल्थ पर पड़ सकता है भारी, जरूर करें सेल्फ केयर

ज्यादातर महिलाएं न सिर्फ परिवार बल्कि ऑफिस की जिम्मेदारियों को भी बहुत अच्छे से मैनेज करती हैं। ऑफिस के काम के साथ ही वह परिवार और बच्चों का भी ख्याल रखती हैं। महिलाओं की गिनती मल्टीटास्कर में होती हैं। लेकिन इन सब के बीच वह खुज का ध्यान रखना भूल जाती हैं और अपनी सेहत को नजरअंदाज करने लगती हैं। जिसके कारण उनको कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं।

बता दें कि आजकल की महिलाएं न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी जूझती हैं। ऐसी स्थिति खुद का ध्यान न रखने के कारण होती है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए महिलाओं के खराब मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बताने जा रहे हैं। महिलाओं के यह लक्षण उनके खराब मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बताता है।

ध्यान केंद्रित न कर पाना

जब महिलाएं किसी काम में अपना फोकस नहीं बना पाती हैं, तो यह उनके खराब मानसिक स्वास्थ्य का संकेत भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में वह अपने किसी भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाती हैं। जैसे– ऑफिस के काम में गलती करने या बच्चों पर ध्यान न दे पाना। इसके अलावा वह कई बार किचन के कामों में भी गड़बड़ी करती हैं। यह सारी बातें उनके खराब मानसिक स्वास्थ्य की ओर इशारा करते हैं।

चीजें भूलना

अधिकतर महिलाओं के साथ ऐसा होता है कि वह चीजें रखकर भूल जाती हैं। हालांकि कभी–कभी ऐसा होना नॉर्मल है। लेकिन अगर किसी महिला के साथ ऐसा अक्सर हो रहा है। तो यह उनके खराब मानसिक स्वास्थ्य की ओर भी संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में महिलाओं की याद्दाश्त में समस्याएं होने लगती हैं। ऐसा होने पर आप डॉक्टर से परामर्श कर सकती हैं। इसे नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए

हमेशा दुखी रहना

यदि कोई महिला अक्सर ही उदास या दुखी रहती है। या उन्हें किसी भी काम में खुशी महसूस नहीं होती है। तो यह भी एक खराब मानसिक स्वास्थ्य का संकेत है। उदाहरण के तौर पर कहीं घूमने जाने पर, परिवार के साथ समय बिताने पर यदि खुशी महसूस नहीं हो रही तो समझ जाना चाहिए कि आप तनाव की ओर बढ़ रही हैं।

नींद न आना

अक्सर कई महिलाएं देर रात तक जगती रहती हैं, क्योंकि उनको रात में नींद नहीं आती है। बता दें कि रात में नींद न आना भी खराब मानसिक स्वास्थ्य का संकेत होता है। इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं करें। अगर आपके सोने या जागने की आदतों में बदलाव हो रहा है, या आप रात को कई बार उठती हैं, देर रात तक नींद न आना और सुबह देर तक सोना आदि। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है, तो आपको सतर्क होने की जरूरत है।

कम व अधिक भूख लगना

आपको बता दें कि अधिक या कम भूख लगना भी खराब मानसिक स्वास्थ्य की निशानी होती है। अगर आपको भी बार–बार भूख लगती है या बिलकुल भी कुछ खाने का मन नहीं होता है। तो आपको अपने डॉक्टर से एक बार जरूर इस बार में परामर्श करना चाहिए।

बच्चों का चाहते है उजवल भविष्य तो माता-पिता आज से ही छोड़ें कुछ बुरी आदतें

ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों को अच्छी परवरिश देने की ख्वाहिश रखते हैं। पेरेंट्स के काफी करीब होने के कारण कुछ बच्चे माता–पिता की आदतों को कॉपी करने लगते हैं। लेकिन कुछ पेरेंट्स ऐसे भी होते है जो बच्चों की हर मांग पूरी करते है। जो लाइफटाइम के लिए उसकी आदत बन जाएगी। अगर आप भी ऐसा करते है तो ये उसके फ्यूचर के लिए ठीक नहीं है। इसलिए अगर अच्छे माता–पिता बनना है और बच्चों की परवरिश ठीक ढंग से करनी है तो आज से ही अपनी कुछ आदतों को बदल लें।

जरा–जरा सी बात पर डांटने से बचें

अकसर कई माता– पिता छोटी– छोटी बातों को लेकर बच्चों पर चिल्लाना शुरू कर देते हैं जो बिल्कुल भी ठीक नहीं है। धीरे– धीरे आपकी ये आदत बन जाती है। ऐसे करने से बच्चा आपसे ज्यादा ही डरने लगेगा और आपसे कोई भी बात या पढ़ाई करते समय कोई भी सवाल पूछने से हिचकिचाने लगेगा। ध्यान रहे आपका उसपर चिल्लाना उसे गुस्सैल बना सकता है।

कभी तुलना न करें

ध्यान रहे कभी भी अपने बच्चे को दूसरे बच्चों से कंपेयर न करें। यह भी हो सकता है कि आपका बच्चा किसी एक काम में दूसरों से अच्छा न कर रहा हो लेकिन कई ऐसी भी एक्टिविजिट होंगी, जिसमें वह सबसे आगे और बेस्ट होगा।

हर बार इच्छा पूरी करना जरूरी नहीं

हमारे देश में कई माता–पिता ऐसे होते है जो बच्चों की मांग से पहले उनकी इच्छा पूरी कर देते है। आपका यह प्यार बच्चे को बिगाड़ भी सकता है। ऐसे में ध्यान रखना चाहिए कि ये आदत बच्चों पर गलत प्रभाव डाल सकती है। इसलिए बच्चे को ऐसी चीज लाकर दें जिसकी उसे जरुरत हो।

धैर्य की सबसे ज्यादा जरुरत

माता– पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों को थोड़ा धैर्य और शांत रहना सीखाएं। बच्चे में धैर्य होगा तो वह आगे चलकर काफी सफल हो सकता है और ये आदतें उसे विपरीत परिस्थितियों से निकलने में भी मदद करेंगी।

नखरे को प्यार न समझें

माता–पिता को बच्चे के नखरे को कभी भी प्यार नहीं समझना चाहिए। अच्छी पैरेंटिगं के लिए भावनाओं पर काबू रखना जरूरी होता है। इससे बच्चे सही और गलत के बीच का अंतर सीख पाते हैं।

खुद में थोड़ा बदलाव लाएं

एक अच्छी पैरेंटिग के लिए माता–पिता को खुद भी कुछ आदतों को छोड़ना चाहिए। इससे बच्चों का भविष्य शानदार हो सकता है बच्चों पर आरोप मढ़ने से अच्छा है कि आप अपनी छोटी–छोटी बुरी आदतों को छोड़ दें।

गर्मियों में नहीं होगी शरीर में पानी की कमी, बस पानी में मिलाकर पिएं ये 3 चीजें

गर्मियों के मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण शरीर से पसीने के जरिए पानी तेजी से बाहर निकलता है, जिससे डिहाइड्रेशन और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। यही वजह है कि इस मौसम में भरपूर मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जाती है। पर आजकल ज्यादातर लोग फिल्टर वॉटर का इस्तेमाल करते हैं। यह पानी हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है, लेकिन फिल्ट्रेशन की प्रक्रिया में पानी के कुछ नेचुरल मिनरल्स कम हो जाते हैं। कई बार स्वाद बदलने की वजह से लोग पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पी पाते, जिसका असर शरीर और स्किन दोनों पर दिखाई देने लगता है। अगर आप भी सादा पानी कम पीते हैं, तो कुछ आसान चीजें पानी में मिलाकर उसके अवशोषण और स्वाद को बेहतर बना सकते हैं। इससे शरीर लंबे समय तक हाइड्रेट रहता है और गर्मियों में लू व डिहाइड्रेशन से बचाव भी हो सकता है।

खीरा और मिंट वाला पानी

गर्मियों में पानी में खीरे के टुकड़े और मिंट (पुदीना) की कुछ पत्तियां डालकर पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे बोतल में भरकर पूरे दिन इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एक नेचुरल डिटॉक्स ड्रिंक की तरह काम करता है और शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करता है। साथ ही यह शरीर को लंबे समय तक हाइड्रेट रखने और लू से बचाने में भी सहायक हो सकता है।

नींबू पानी

नींबू गर्मियों का सबसे लोकप्रिय और हेल्दी ड्रिंक माना जाता है। इसमें विटामिन सी और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं। अगर आप सादा पानी कम पीते हैं, तो पानी में नींबू मिलाकर पी सकते हैं। इससे पानी का स्वाद बेहतर हो जाता है और शरीर हाइड्रेट रहता है। नींबू पानी बॉडी को डिटॉक्स करने और गर्मी के असर को कम करने में भी मददगार माना जाता है।

चिया सीड्स वाला पानी

चिया सीड्स को पानी में भिगोकर पीना भी गर्मियों में फायदेमंद हो सकता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर और ओमेगा–3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह शरीर में पानी बनाए रखने में मदद करता है और लंबे समय तक एनर्जी देता है। हालांकि इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। सुबह के समय चिया सीड्स वाला पानी पीना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

क्यों जरूरी है हाइड्रेशन?

शरीर में पानी की कमी होने पर थकान, चक्कर आना, कमजोरी, सिरदर्द और स्किन ड्रायनेस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए गर्मियों में सिर्फ पानी पीना ही नहीं, बल्कि शरीर में पानी का सही तरीके से अवशोषण होना भी जरूरी है।

ध्यान रखें ये बातें

दिनभर थोड़ा–थोड़ा पानी पीते रहें

ज्यादा ठंडे पेय पदार्थों से बचें

बाहर निकलते समय पानी की बोतल साथ रखें

ताजे फल और पानी से भरपूर चीजें डाइट में शामिल करें।

सही हाइड्रेशन न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि गर्मियों में होने वाली कई समस्याओं से भी बचाने में मदद करता है।

संक्षिप्त

100 मीटर दौड़ में बनाया नया नेशनल रिकॉर्ड

झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित 2026 एथलेटिक्स फेडरेशन कप में धावक गुरिंदरवीर सिंह ने कमाल कर दिया। उन्होंने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ को महज 10.09 सेकंड में पूरा करके एक नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अपनी इस ऐतिहासिक जीत पर गुरिंदरवीर ने कहा, ष्यह बहुत अच्छा एहसास है। उम्मीद है कि मैं आगे भी अच्छी ट्रेनिंग करूंगा और भविष्य में और बेहतर नतीजे लाऊंगा।ष उन्होंने मानसिक मजबूती को जीत की वजह बताते हुए कहा कि आखिरी पलों में खेल शारीरिक ताकत से ज्यादा मानसिक मजबूती का होता है और कल वह खुद को मानसिक रूप से मजबूत रख पाए, जिससे यह जीत मिली। लोग कहते थे भारतीयों के बस की बात नहीं अपनी पुरानी चुनौतियों को याद करते हुए गुरिंदरवीर ने बताया, ष्जब आप कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, तो लोग कहते हैं कि यह नहीं हो सकता। ऐसा हर उस इंसान के साथ होता है जो कुछ बदलना चाहता है। जब मैं छोटा था, तो लोग मुझसे कहते थे कि भारतीयों में स्प्रिंटिंग और 100 मीटर रेस के लिए जरूरी जीन्स नहीं होते। लोग मुझे 400 मीटर दौड़ने की सलाह देते थे, क्योंकि मिल्खा सिंह उसके चौंपियन थे। लेकिन मेरे मन में हमेशा यह बात थी कि मुझे एक नया रास्ता बनाना है, ताकि भविष्य में लोग सोचें कि हम भी 100 मीटर में कमाल कर सकते हैं।ष मां रूपिंदर कौर ने जताई खुशी गुरिंदरवीर की इस ऐतिहासिक सफलता पर उनकी मां रूपिंदर कौर ने बेहद खुशी और गर्व जताया। उन्होंने कहा, ष्हमें बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि हमारे बच्चे ने इतिहास रच दिया है। सभी रिश्तेदार फोन करके बधाई दे रहे हैं। वह बचपन से ही बहुत खुशमिजाज था और उसके कोच भी बहुत अच्छे रहे। उसके पिता का सपना था कि वह एक एथलीट बने।ष इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि वे अपने माता–पिता की बात सुनें, पढ़ाई के साथ–साथ खेलों पर ध्यान दें और नशे से पूरी तरह दूर रहें। पिता ने बताया 12 साल की मेहनत का सफर गुरिंदरवीर के पिता कमलजीत सिंह ने बताया कि उनका बेटा 12 साल की उम्र से ही इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

हमारी कोशिशें नाकाम रहीं

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने आईपीएल 2026 सीजन के दौरान जसप्रीत बुमराह के चुनौतीपूर्ण फॉर्म पर बात करते हुए खुलासा किया कि टीम प्रबंधन और प्रशिक्षण स्टाफ ने गेंदबाज के कार्यभार और रणनीतिक भूमिका को प्रबंधित करने के लिए उनके साथ मिलकर काम किया। बुमराह ने इस सीजन में 13 मैचों में चार विकेट लिए हैं, उनकी इकॉनमी रेट 8.36 है। शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के मैच से पहले बोलते हुए, जयवर्धने ने कहा कि बुमराह, एक अनुभवी खिलाड़ी होने के नाते, अपनी उपयोगिता को लेकर हुई चर्चाओं में पूरी तरह से शामिल थे। जयवर्धने ने कहा कि यह एक अच्छी बातचीत थी, और बुमराह अब काफी अनुभवी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें भी यह बात पता थी, इसलिए उनके प्रशिक्षण स्टाफ के साथ भी सामूहिक चर्चा हुई, कि हम उन्हें किस हद तक आगे बढ़ाएं, कार्यभार प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए और तैयारी के दौरान नेट में वह कितनी गेंदबाजी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि टीम ने शुरू में बुमराह को मैच की विशिष्ट परिस्थितियों में इस्तेमाल करने की कोशिश की ताकि उन पर दबाव कम हो सके, हालांकि मुख्य गेंदबाज होने के नाते उनसे स्वाभाविक रूप से काफी उम्मीदें जुड़ी होती हैं। जयवर्धने ने आगे कहा कि शुरू में हमने उन्हें रणनीतिक रूप से ऐसी परिस्थितियों में इस्तेमाल करने की कोशिश की ताकि उन पर ज्यादा दबाव न पड़े, लेकिन मुख्य गेंदबाज होने के नाते उन पर हमेशा दबाव रहता है। लेकिन इस सीजन में हमने उन्हें अलग–अलग तरीकों से इस्तेमाल किया है, ताकि उन्हें ज्यादा आजादी न मिले, लेकिन वह यह बात समझते हैं।

हैदराबाद की विशाल जीत पर भारी पड़ी बेंगलुरु की रणनीति, हारकर भी टॉप पर बेंगलुरु

आईपीएल (प्च्स्) के एक बेहद रोमांचक और हाई–स्कोरिंग मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (त्भ्) ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (त्ब्ठ) को 55 रनों से मात दे दी। हालांकि, रनों के इस महासंग्राम में बाजी हारकर भी बेंगलुरु की टीम बाजीगर साबित हुई। हैदराबाद के विशाल स्कोर के सामने आरसीबी ने चतुराई भरी बल्लेबाजी की बदौलत अंक तालिका (च्वपदजे ज्ंइसम) में अपना शीर्ष (नंबर–1) स्थान और क्वालीफायर–1 का टिकट सुरक्षित कर लिया। अब पहले क्वालीफायर मुकाबले में 26 मई को धर्मशाला में आरसीबी का सामना गुजरात टाइटन्स से होगा, जबकि तीसरे स्थान पर रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 27 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेलेगी। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अभिषेक शर्मा (56 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी, ईशान किशन (79 रन) के बेखौफ अंदाज और हेनरिक क्लासेन (51 रन) की ताकतवर हिटिंग की बदौलत चार विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में कामयाब रही। आरसीबी को शीर्ष दो में रहने के लिए 166 रन का स्कोर बनाना था और 178 रन से ज्यादा रन का स्कोर बनाने से उसका शीर्ष स्थान तय था। कप्तान रजत पाटीदार (56 रन) और कृणाल पंड्या (नाबाद 41) के बीच चौथे विकेट के लिए 58 गेंद में 84 रन की भागीदारी से आरसीबी ने 20 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बनाकर हारने के बावजूद पहला स्थान सुनिश्चित किया। आरसीबी (प्लस 0.783), गुजरात टाइटन्स (प्लस 0.695) और सनराइजर्स हैदराबाद (प्लस 0.524) के 18–18 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट से क्रमशरू पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अब पहले क्वालीफायर में आरसीबी का सामना 26 मई को ध र्मशाला में गुजरात टाइटन्स से होगा।

पाक टीम पर भड़के कोच सरफराज

बांग्लादेश से क्लीन स्वीप पर किन खिलाड़ियों को लगाई फटकार?

2-0 की शर्मनाक हार से तिलमिलाया पाकिस्तान

कोच सरफराज ने खिलाड़ियों को सुनाई खरी-खोटी

इस्लामाबाद। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2–0 की हार के बाद पाकिस्तान टीम में असंतोष बढ़ गया है। मुख्य कोच सरफराज अहमद ने खिलाड़ियों और सीनियर बल्लेबाजों के रवैये पर सवाल उठाए हैं, जबकि कप्तान शान मसूद की कप्तानी भी जांच के दायरे में आ गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही पाकिस्तान टेस्ट टीम में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2–0 की शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम में हलचल मच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान टेस्ट टीम के मुख्य कोच सरफराज अहमद अपने खिलाड़ियों, खास तौर पर सीनियर खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज हैं और उन्होंने सिलहट टेस्ट में हार के बाद टीम मीटिंग में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, इमाम उल हक, सलमान अली आगा और सऊद शकील समेत सभी खिलाड़ियों को जमकर फटकार लगाई। पाकिस्तान को लगातार दूसरी बार बांग्लादेश के हाथों टेस्ट सीरीज में 2–0 से क्लीन स्वीप झेलना पड़ा। इससे पहले दो साल पहले भी घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को इसी अंतर से हार मिली थी। खिलाड़ियों पर फूटा कोच का गुस्सा रिपोर्ट के मुताबिक, हार के बाद हुई बैठक में सरफराज अहमद ने खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने खास तौर पर बल्लेबाजों को निशाने पर लेते हुए कहा कि टीम के बजाय खिलाड़ी अपने व्यक्तिगत आंकड़ों के लिए खेल रहे हैं। सरफराज ने खिलाड़ियों से कहा, शखिलाड़ियों को टीम के लिए खेलना चाहिए, अपने लिए नहीं।श उन्होंने आगे कहा, श्यह साफ नजर आया कि खिलाड़ी खुद के लिए खेल रहे थे। व्यक्तिगत प्रदर्शन करना अच्छी बात है, लेकिन उससे टीम को फायदा होना चाहिए, सिर्फ खिलाड़ी को नहीं।श वरिष्ठ खिलाड़ियों पर उठाए सवाल कोच ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों की भी आलोचना की और कहा कि अनुभवी खिलाड़ी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह नाकाम रहे। उन्होंने कहा, श्सीनियर खिलाड़ी जिम्मेदारी लेने में असफल रहे हैं। दूसरी टीमों की प्रगति देखिए और हमारी टीम लगातार पीछे जा रही है।श पूरी सीरीज में पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज 200 रन तक नहीं पहुंच पाया। युवा डेब्यू बल्लेबाज अजान अवैस ही एकमात्र खिलाड़ी रहे जिन्होंने शतक लगाया। कप्तान शान मसूद भी निशाने पर सूत्रों के मुताबिक, सरफराज अहमद कप्तान शान मसूद की कप्तानी से भी खुश नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में सुस्ती दिखाई और कई अहम मौकों पर रिव्यू लेने से भी बचते रहे। दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान ने मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ एज के बावजूद रिव्यू नहीं लिया। उस समय लिटन दास 52 रन पर थे, लेकिन बाद में उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर बांग्लादेश को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

11 चौके, 5 छक्के जड़कर बनाया शतक

लखनऊ। लखनऊ के खिलाफ पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने शानदार शतकीय पारी खेलकर न सिर्फ टीम को जीत दिलाई बल्कि उसकी प्लेऑफ की उम्मीदों को भी जीवित रखने में अहम भूमिका निभाई। लखनऊ पर जीत के साथ पंजाब प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखने में कामयाब रही। शनिवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब की जीत के हीरो कप्तान श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन सिंह रहे। दोनों के बीच हुई 140 रनों की शानदार साझेदारी ने विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं और मैच जीत लिया। इस मुकाबले में तमाम रिकॉर्ड्स बने जिन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। आइये जानते हैं... सरपंच साहब का शानदार शतक सरपंच साहब के नाम से मशहूर श्रेयस अय्यर ने इस मुकाबले में तूफानी शतक जड़ा। उन्होंने महज 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला सैकड़ा पूरा किया और टीम को जीत दिलाई। वह 11 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 101 रन बनाकर नाबाद रहे। अय्यर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि श्रेयस अय्यर अब पंजाब किंग्स के लिए शतक लगाने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा केवल केएल राहुल और एडम गिलक्रिस्ट ने किया था। दोनों ने आरसीबी के खिलाफ क्रमशरू 2020 में 132' रन और 2011 में 106 रनों की दमदार पारियां खेली थीं। आईपीएल रन चेज में कप्तानों के शतक श्रेयस अय्यर का यह शतक आईपीएल इतिहास के सबसे यादगार पलों में शुमार हो गया। रन चेज के दौरान शतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में श्रेयस अय्यर का भी नाम शामिल हो गया। वह ऐसा करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कारनामा वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन ने किया। आईपीएल चेज में शतक लगाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ा मुकाम हासिल करते हुए अपने 7000 रन पूरे कर लिए हैं। पंजाब के लिए खेलते हुए 22ध 2 के मुश्किल स्कोर पर बल्लेबाजी करने उतरे अय्यर ने जिम्मेदारी भरी पारी खेली और प्रभसिमरन सिंह के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को मैच में बनाए रखा। खास बात यह रही कि अय्यर ने केवल 247 पारियों में 7000 टी20 रन पूरे किए, जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज बन गए। इस सूची में उनसे आगे केवल केएल राहुल (197 पारी), विराट कोहली (212 पारी) और शिखर धवन (246 पारी) हैं। वहीं, अय्यर ने आक्रामक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने इस आंकड़े तक पहुंचने में 249 पारियां ली थीं। टी20 में 7000 रन बनाने वाले सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज (पारी के आधार पर) श्रेयस और प्रभसिमरन की रिकॉर्ड साझेदारी इस मुकाबले में पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। प्रियांश (0) और कूपर कोनोली (18) ज्यादा देर तक विकेट पर नहीं टिक सके। इसके बाद प्रभसिमरन का साथ देने श्रेयस अय्यर आए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 76 गेंदों में 140 रनों की साझेदारी हुई।

सरपंच साहब की लखनऊ में बादशाहत

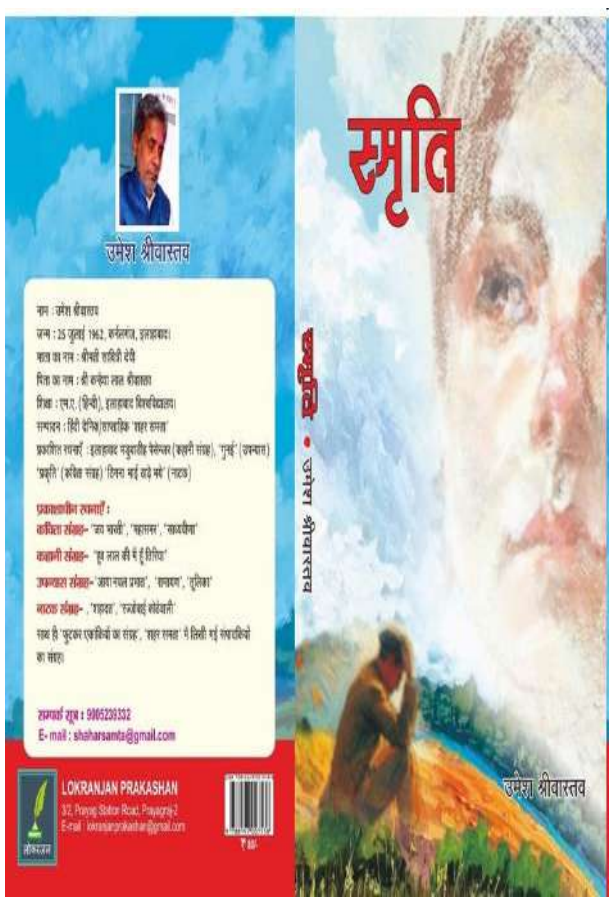

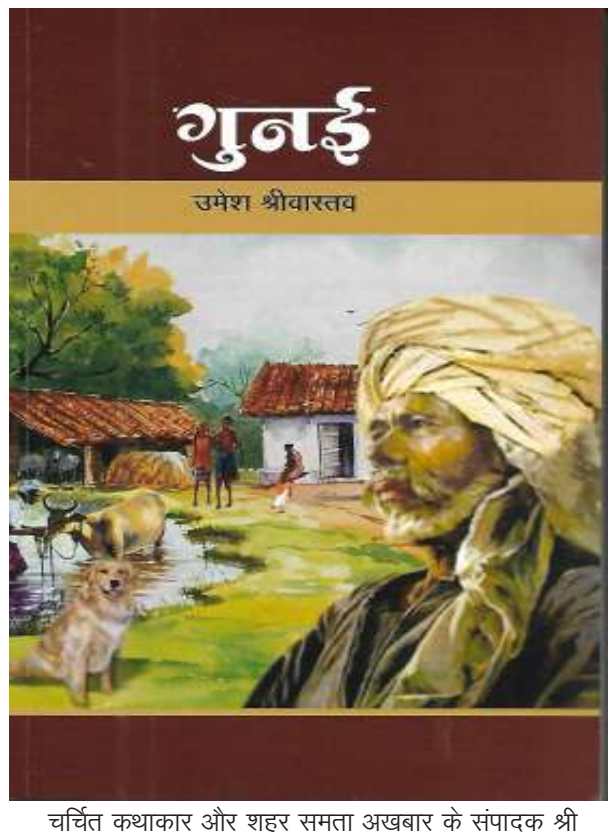

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

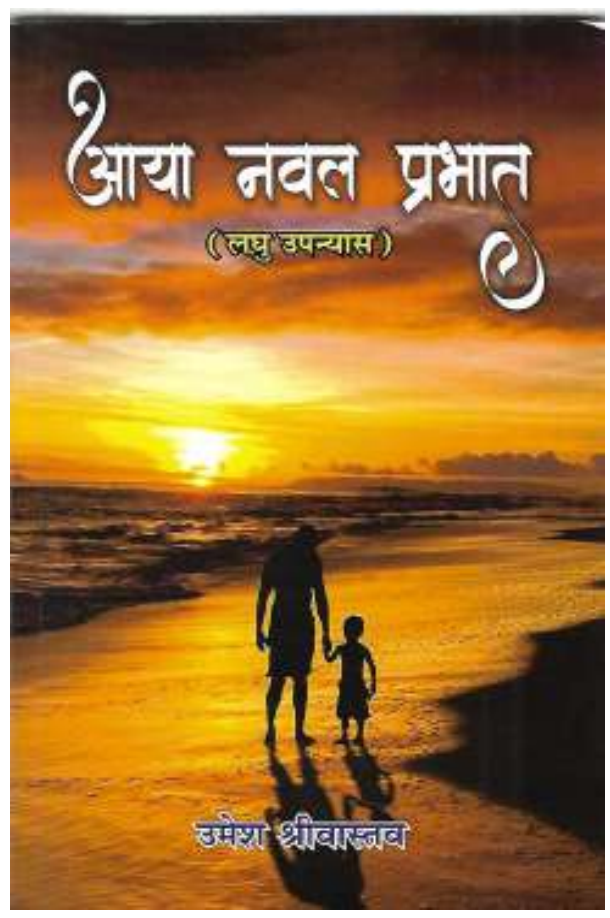

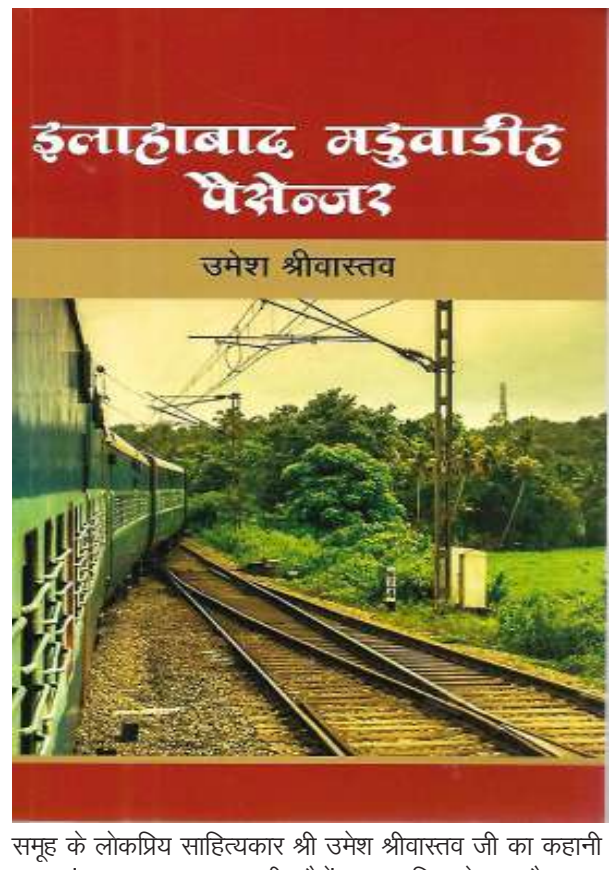

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

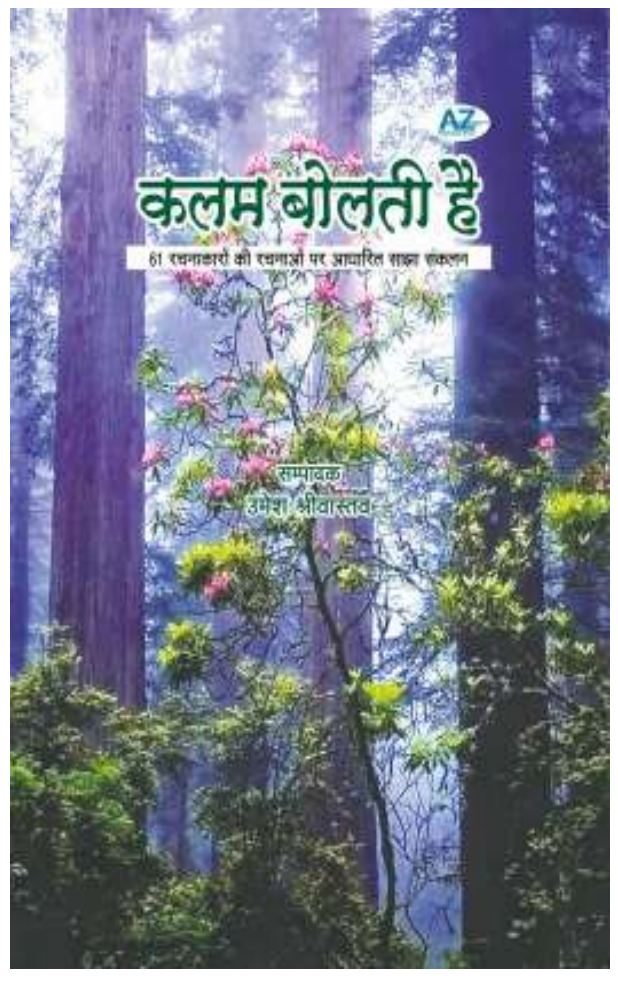

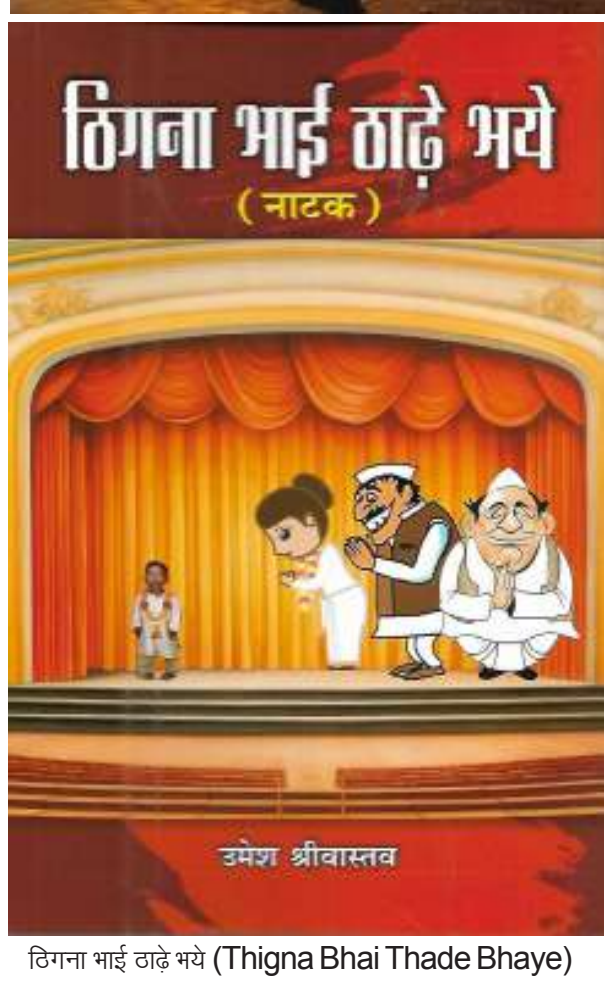

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पश्चिम एशिया संकट: प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्रंप को फिर लगाया मक्खन, अमेरिकी राष्ट्रपति ने लगा दिए किनारे!

इस्लामाबाद, एजेंसी। दुनिया भर में चल रहे तेल के संकट और मंदी के बीच एक बहुत बड़ी खबर आ रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बरसों पुराना झगड़ा अब खत्म होने वाला है। दावा किया जा रहा है कि दोनों देश एक ऐतिहासिक शांति समझौते के बिल्कुल करीब पहुंच गए हैं। इसके पीछे पाकिस्तान बिचौलिया बना हुआ है। लेकिन इस पूरे मामले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ एक बार फिर खेला हो गया है। शरीफ लगाते रह गए मक्खन, ट्रंप ने भाव तक नहीं दिया! पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों की तारीफ में कसीदे पढ़ डाले। शरीफ ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर समेत दुनिया के कई बड़े नेताओं के साथ एक बहुत ही जरूरी और पॉजिटिव फोन कॉल की है। शनिवार को ट्रंप ने सऊदी अरब, कतर, तुर्किये, मिस्र, यूएई, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं को लाइन पर लिया था। लेकिन हैरत और मजे की बात यह रही कि डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर से तो तसल्ली से बात की, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सीधे किनारे लगा दिया यानी भाव ही नहीं दिया! ट्रंप ने शहबाज शरीफ से फोन पर बात करना भी मुनासिब नहीं समझा। इसके बावजूद, चीन के दौरे पर गए शहबाज शरीफ सोशल मीडिया पर ट्रंप को बधाई देने में जुटे रहे। उन्होंने अपने सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भी पीठ थपथपाई कि उन्होंने इस डील के लिए दिन-रात एक कर दिया है। आसिम मुनीर पहुंचे थे तेहरान अभी पिछले दिनों पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे थे। वहां उन्होंने ईरान के बड़े नेताओं से गुपचुप मुलाकात की। मकसद साफ था कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे पुराने विवाद को सुलझाकर एक पक्का पैचअप यानी समझौता कराना। मुनीर का यह दौरा खत्म होते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशलश पर बड़ी बात कही। ट्रंप ने एलान किया कि ईरान के साथ शांति समझौते का पूरा खाका लगभग तैयार है। डील की आखिरी बारीकियों पर बात चल रही है और बहुत जल्द इसका ऑफिशियल एलान कर दिया जाएगा।

क्यों जरूरी है यह समझौता? अमेरिका और ईरान के इस झगड़े की वजह से पूरी दुनिया में पेट्रोल-डीजल की किल्लत हो रखी है। पाकिस्तान इस मामले में इसलिए पंच बना घूम रहा है क्योंकि अमेरिका और ईरान, दोनों ही पाकिस्तान पर भरोसा करते हैं। पिछले महीने भी पाकिस्तान ने साल 1979 के बाद पहली बार दोनों देशों के नेताओं को आमने-सामने बिठाया था, हालांकि तब बात नहीं बन पाई थी। इस पूरे बवाल का असली जड़ है ईरान का परमाणु कार्यक्रम और श्होर्मुज जलडमरूमध्यश समुद्री रास्ता। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का 20: तेल इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान पर हमला बोला था, जिसके बाद ईरान ने भी करारा पलटवार किया। तब से यह समुद्री रास्ता पूरी तरह ब्लॉक है। हालांकि 8 अप्रैल से सीजफायर लागू है, फिर भी जहाजों का आना-जाना ठप पड़ा है। अब ट्रंप ने कहा है कि नए समझौते के तहत इस रास्ते को दोबारा खोल दिया जाएगा।

संक्षिप्त

फैक्ट्री के केमिकल टैंक में विस्फोट का खतरा, कैलिफोर्निया की ऑरेंज काउंटी में इमरजेंसी घोषित

कैलिफोर्निया, एजेंसी। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने ऑरेंज काउंटी में इमरजेंसी घोषित कर दी है। दरअसल वहां गार्डन ग्रोव इलाके में एक एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री

में मौजूद खतरनाक औद्योगिक केमिकल वाले टैंक खतरनाक स्तर पर गर्म हो गए हैं और उन्हें ठंडा करने के लिए इमरजेंसी टीमें लगातार काम कर रही हैं। अगर इन केमिकल टैंक को ठंडा नहीं किया गया तो इससे वहां बड़ा हादसा हो सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर न्यूसम ने लिखा, श्मैं ऑरेंज काउंटी में स्टेट ऑफ इमरजेंसी घोषित कर रहा हूं क्योंकि कैलिफोर्निया गार्डन ग्रोव में हुए खतरनाक केमिकल हादसे से निपटने में जुटा हुआ है। राज्य की एजेंसियां स्थानीय अधिकारियों और प्रभावित समुदायों की मदद कर रही हैं, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कृपया इमरजेंसी अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते रहें। इस इमरजेंसी आदेश के बाद राज्य सरकार अब ज्यादा संसाधन जुटा सकेगी और स्थानीय, राज्य और संघीय एजेंसियों के बीच तेजी से तालमेल हो पाएगा। यह संकट गार्डन ग्रोव स्थित जीकेएन एयरोस्पेस प्लांट में पैदा हुआ है, जहां मिथाइल मेथाक्रिलेट (एमएमए) नाम का केमिकल भरे एक टैंक का तापमान कई दिनों से अस्थिर बना हुआ है। एमएमए एक बेहद ज्वलनशील औद्योगिक केमिकल है, जिसका इस्तेमाल ऐक्रेलिक प्लास्टिक और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग में होता है। स्थिति अब और गंभीर होती जा रही है क्योंकि खराब हुए टैंक के अंदर का तापमान लगातार बढ़ रहा है। एक दिन पहले जहां तापमान 77 डिग्री फारेनहाइट (25 डिग्री सेल्सियस) था, वहीं अब यह करीब 90 डिग्री फारेनहाइट (32.22 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच गया है। फायर अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो दो बड़े खतरे हो सकते हैं या तो टैंक फट सकता है और जहरीले केमिकल बाहर लीक हो सकते हैं, या फिर जोरदार विस्फोट हो सकता है, जिससे आसपास रखे दूसरे केमिकल टैंक भी फटने का खतरा पैदा हो सकता है।

रुबियो ने किया एलान: अमेरिका से 47 हजार अरब से अधिक का सामान खरीदेगा भारत, मजबूत होगा रणनीतिक गठबंधन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत यात्रा को दुनिया की राजनीति में एक बहुत बड़ा कदम माना जा रहा है। दक्षिण एशिया मामलों के जानकार माइकल

कुगेलमैन ने इस दौरे को बेहद खास बताया है। उन्होंने कहा कि रुबियो का क्वाड बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत आना यह साफ दिखाता है कि ट्रंप सरकार इस संगठन को लेकर गंभीर है और इसे आगे बढ़ाना चाहती है। कुगेलमैन ने बातचीत में कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्तों के लिए यह एक बड़ा मौका है। बहुत दिनों के बाद मार्को रुबियो जैसा कोई बड़ा अमेरिकी अधिकारी भारत आया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस दौरे के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद इस साल के अंत में होने वाली बड़ी बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत आ सकते हैं। कुगेलमैन के मुताबिक, मार्को रुबियो ने भारत को इस पूरे समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा और अमेरिका के साथ दोस्ती का सबसे मजबूत स्तंभ बताया है। अब देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में अमेरिकी सरकार भारत को और ज्यादा मजबूत करने के लिए क्या नए कदम उठाती है। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और अपनी टीम की तारीफ की। रुबियो ने बताया कि उनकी टीम की मेहनत से भारत अगले 5 साल में अमेरिका से 500 अरब डॉलर यानी करीब 48000 अरब रुपये का सामान खरीदने के लिए तैयार हो गया है। इस सौदे के तहत मुख्य रूप से बिजली-ऊर्जा , तकनीक और खेती से जुड़ी चीजों पर काम किया जाएगा। रुबियो ने कहा कि यह टीम राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी जनता के लिए बेहतरीन काम कर रही है।

क्या खत्म होगा पश्चिम एशिया संघर्ष?: अमेरिका का दावा- ईरान सौंपेगा यूरेनियम भंडार, खुल सकता है होर्मुज

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित एक समझौते के तहत अपने संवर्धित यूरेनियम भंडार को सौंपने पर सहमति जताई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों ने यह दावा किया है। हालांकि, समझौते की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका ने शुरुआती समझौते में ही ईरान से यूरेनियम भंडार को लेकर स्पष्ट प्रतिबद्धता मांगी थी। सूत्रों के अनुसार, ईरान और अमेरिका के बीच प्रस्तावित समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू तेहरान द्वारा अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम भंडार को सौंपने की एक स्पष्ट प्रतिबद्धता है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने इस संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

व्हाइट हाउस के पास गोलियां बरसाने वाला सिरफिरा: खुद को समझता था 'ईसा मसीह', जानिए कौन था नासिरे बेस्ट?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले राष्ट्रपति भवन श्व्हाइट हाउसश के बाहर शनिवार शाम को अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से हड़कंप मच गया। एक 21 साल के लड़के ने सुरक्षा चौकी पर तैनात जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में सुरक्षा एजेंसी सीक्रेट सर्विस के मुस्तैद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और महज कुछ ही मिनटों में हमलावर को ढेर कर दिया। इस घटना के वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर ही मौजूद थे, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि, मुठभेड़ में वहां से गुजर रहा एक आम नागरिक गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की जांच और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस पर हमला करने वाले इस 21 साल के हमलावर का नाम नासिरे बेस्ट था। नासिरे कोई प्रोफेशनल आतंकी या शूटर नहीं था, बल्कि वह लंबे समय से दिमागी रूप से बीमार था। हैरान करने वाली बात यह है कि नासिरे को एक अजीब सा वहम था। वह खुद को श्जीसस क्राइस्टश यानी ईसा मसीह समझता था। अदालती दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि नासिरे बेस्ट अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के लिए कोई नया नाम नहीं था, वह पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका था। इससे पहले भी उसे व्हाइट हाउस के पास की सड़क पर ट्रैफिक रोकने और मनाही के बावजूद जबरन हाई-सिक्योरिटी जोन में घुसने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका था। पुराने अदालती रिकॉर्ड के मुताबिक, नासिरे ने पूछताछ में खुद कहा था कि वह ईसा मसीह है और वह जानबूझकर ऐसी हरकतें करता है ताकि पुलिस उसे गिरफ्तार कर ले। उसकी इन अजीब हरकतों की वजह से कोर्ट ने उस पर व्हाइट हाउस के आसपास के पूरे इलाके में आने पर पाबंदी लगा रखी थी। यह पूरी वारदात शनिवार शाम ठीक 6 बजे स्थानीय समयानुसार व्हाइट हाउस परिसर के ठीक बाहर 17वें स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू के पास हुई। चश्मदीदों के मुताबिक, नासिरे बेस्ट शाम को चुपचाप उस इलाके में पहुंचा और काफी देर तक संदिग्ध हालत में वहां टहलता रहा। सुरक्षाकर्मियों को भनक लगती, इससे पहले ही उसने अचानक अपने बैग से एक हैंडगन निकाली और सुरक्षा चौकी तैनात सीक्रेट सर्विस के अफसरों पर सीधे निशाना साधकर तीन राउंड गोलियां चला दीं। अचानक हुए इस हमले से वहां भगदड़ मच गई। लेकिन सीक्रेट सर्विस के जांबाज एजेंटों ने बिना एक पल गंवाए तुरंत अपनी पोजीशन ली और नासिरे पर जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को काबू करने के लिए ताबड़तोड़ करीब 30 राउंड गोलियां चलाईं।

पाकिस्तान के क्वेटा में बड़ा आत्मघाती हमला, ट्रेन में धमाके से 20 से ज्यादा की मौत, 70 लोग घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत राज्य बलूचिस्तान के क्वेटा में एक बड़ा आत्मघाती हमला हुआ है। हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 70 लोग घायल हो गए। अल जजीरा की रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर ने रेल में खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। हमले के बाद क्वेटा के सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। क्वेटा के चमन फाटक के पास हुआ धमाका विस्फोट क्वेटा स्थित चमन फाटक रेलवे स्टेशन के पास हुआ। पाकिस्तान के रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने विस्फोट की पुष्टि करते हुए बताया कि शटल ट्रेन में यात्री सवार थे और धमाके से इंजन समेत तीन बोगियां प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा, श्ट्रेन रविवार सुबह क्वेटा कैंट स्टेशन से सिटी रेलवे स्टेशन जा रही थी, तभी यह विस्फोट हुआ।श पाकिस्तानी टीवी चौनलों और वेबसाइटों के मुताबिक, धमाके में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और 70 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बीएलए ने ली हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए के प्रवक्ता के दावे के अनुसार, हमला उस समय किया गया जब ट्रेन क्वेटा कैंट से सैन्यकर्मियों को लेकर जा रही थी। क्वेटा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि उन्हें सार्वजनिक बयान देने से रोका गया है और घटना पर आधिकारिक जानकारी सरकार का प्रवक्ता जारी करेगा। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास खड़े वाहनों और इमारतों के शीशे टूट गए। यह ट्रेन यात्रियों को सिटी रेलवे स्टेशन ले जा रही थी, जहां से उन्हें ईद की छुट्टियों के लिए अपने गृह नगरों को जाने वाली ट्रेनों में सवार होना था। साल 2024 में भी आत्मघाती हमले में क्वेटा में 32 लोगों की हुई थी मौत गौरतलब है कि नवंबर 2024 में भी क्वेटा कैंट रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती हमले में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया है। रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने इस हमले को कायराना आतंकवादी कृत्य बताते हुए कहा कि इससे आतंकवाद के खिलाफ देश का संकल्प कमजोर नहीं होगा। पाकिस्तानी गृह मंत्री के प्रवक्ता बाबर यूसुफजई ने कहा कि विस्फोट के बाद सभी संबंधित संस्थानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सुरक्षा कारणों से धमाका स्थल के पास भीड़ न लगाएं, ताकि राहत एवं बचाव कार्य बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला: मॉस्को ने बरसाईं ओरेश्निक मिसाइल, मलबे के ढेर में तब्दील हुईं कई इमारतें

पीटीआई, कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने एक बार फिर घातक हवाई हमला किया है। रविवार की रात रूस ने मिसाइलों और ड्रोन से कीव को निशाना बनाया। इस जोरदार हमले से पूरा शहर थर्रा उठा। सरकारी दफ्तरों, रिहायशी इमारतों और स्कूलों के पास एक के बाद एक कई शक्तिशाली धमाके हुए। स्थानीय अधिकारियों के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, इस हमले में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। रातभर हवाई हमले के सायरन बजते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों और पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में बेहद तेज विस्फोटों की आवाजें सुनीं। सूरज उगने तक यह हमला जारी था और अधिकारियों ने आशंका जताई है कि कीव की तरफ अभी और मिसाइलें व ड्रोन्स बढ़ रहे हैं। नौ जिलों में भारी नुकसान, स्कूल में छिपे थे लोग

कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में भारी तबाही दर्ज की गई है। रिहायशी इमारतों को सीधा नुकसान पहुंचा है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत हमले की चपेट में आ गई। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि धमाके के वक्त लोग उसी स्कूल के अंदर बने बंकर में शरण लिए हुए थे। इसके अलावा पूरे शहर में कई सुपरमार्केट और गोदाम भी तबाह हो गए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाशनिक ने कहा कि कीव के आसपास के कई अन्य इलाकों में भी भारी नुकसान हुआ है। ओरेश्निक मिसाइल का खौफ, पश्चिमी देशों ने दी चेतावनी इस विनाशकारी हमले से ठीक पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा किया था। उन्होंने अमेरिकी और पश्चिमी देशों की खुफिया रिपोर्टों के हवाले से चेतावनी दी थी कि रूस हाइपरसोनिक श्ओरेश्निकश बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। इसके तुरंत बाद यूक्रेन की वायु सेना ने भी श्ओरेश्निकश के संभावित लॉन्च का अलर्ट जारी किया था। हालांकि, अभी तक यह पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है कि इस रातभर चले हमले में इसी मिसाइल का इस्तेमाल किया गया है या नहीं। क्या है ओरेश्निक और क्यों है यह इतनी खतरनाक? रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर कई वॉरहेड वाली ओरेश्निक मिसाइल दागी थी। इसके बाद जनवरी में पश्चिमी ल्विव क्षेत्र में इसका दोबारा इस्तेमाल किया गया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अनुसार, रूसी भाषा में ओरेश्निक का अर्थ श्हेजलनट ट्रीश यानी अखरोट का पेड़ होता है। यह मिसाइल ध्वनि की गति से 10 गुना तेज, यानी मैक 10 की रफ्तार से चलती है। पुतिन का दावा है कि यह मिसाइल जमीन के नीचे बने तीन से चार मंजिल गहरे बंकरों को भी मलबे में तब्दील कर सकती है। यह उल्कापिंड की तरह गिरती है और दुनिया का कोई भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम इसे रोक नहीं सकता। पुतिन के मुताबिक, पारंपरिक हथियारों से लैस होने के बावजूद यह परमाणु हमले जैसी तबाही ला सकती है।

ईरान से संभावित समझौते पर अमेरिकी सांसद की चेतावनी: लेबनान-इराक में अस्थिरता का खतरा, होर्मुज में बढ़ेगा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने रविवार को ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ कोई भी ऐसा समझौता, जो उसे समय के साथ मजबूत होने की अनुमति देता है तो इसका असर लेबनान और इराक में अस्थिरता बढ़ाने के रूप में सामने आ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह समझौता होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव को और गंभीर बना सकता है। ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अगर पश्चिम एशिया के इलाके में यह संदेश जाता है कि समझौते से ईरान को लंबे समय तक ताकत हासिल होगी, तो इससे लेबनान में हिज्बुल्ला और इराक में शिया उग्रवादी समूहों को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा समझौता क्षेत्रीय संघर्षों को और भड़का सकता है। समझौते से होर्मुज में हावी हो जाएगा ईरान रू लिंडसे ग्राहम अमेरिकी सांसद ने यह भी कहा कि अगर किसी समझौते का आधार यह धारणा बनती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरानी खतरे से सुरक्षित नहीं रखा जा सकता और ईरान खाड़ी क्षेत्र के तेल ढांचे को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है, तो इससे तेहरान को क्षेत्र में प्रभावशाली शक्ति के रूप में देखा जाएगा। ग्राहम के मुताबिक, अगर ईरान को लंबे समय तक जलडमरूमध्य में दबाव बनाने और खाड़ी देशों के तेल प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाने में सक्षम माना जाता है, तो इससे पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन बदल सकता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति भविष्य में इस्राइल के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। हालांकि, ग्राहम ने यह भी कहा कि वह इस धारणा से सहमत नहीं हैं कि ईरान को जलडमरूमध्य में दबाव बनाने से रोका नहीं जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और सही रणनीति अपनाने की जरूरत है। ईरान बोला- होर्मुज पर तेहरान का रहेगा नियंत्रण इस बीच जिम्बाब्वे में ईरान के दूतावास ने सोशल मीडिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लहजे में तंज कसते हुए कहा, होर्मुज को खोला जाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।